



732.44084

Ind./M.I.B.

BUDDHIST SCULPTURES AND MONUMENTS

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY
CENTRAL ARCHAEOLOGICAL
LIBRARY

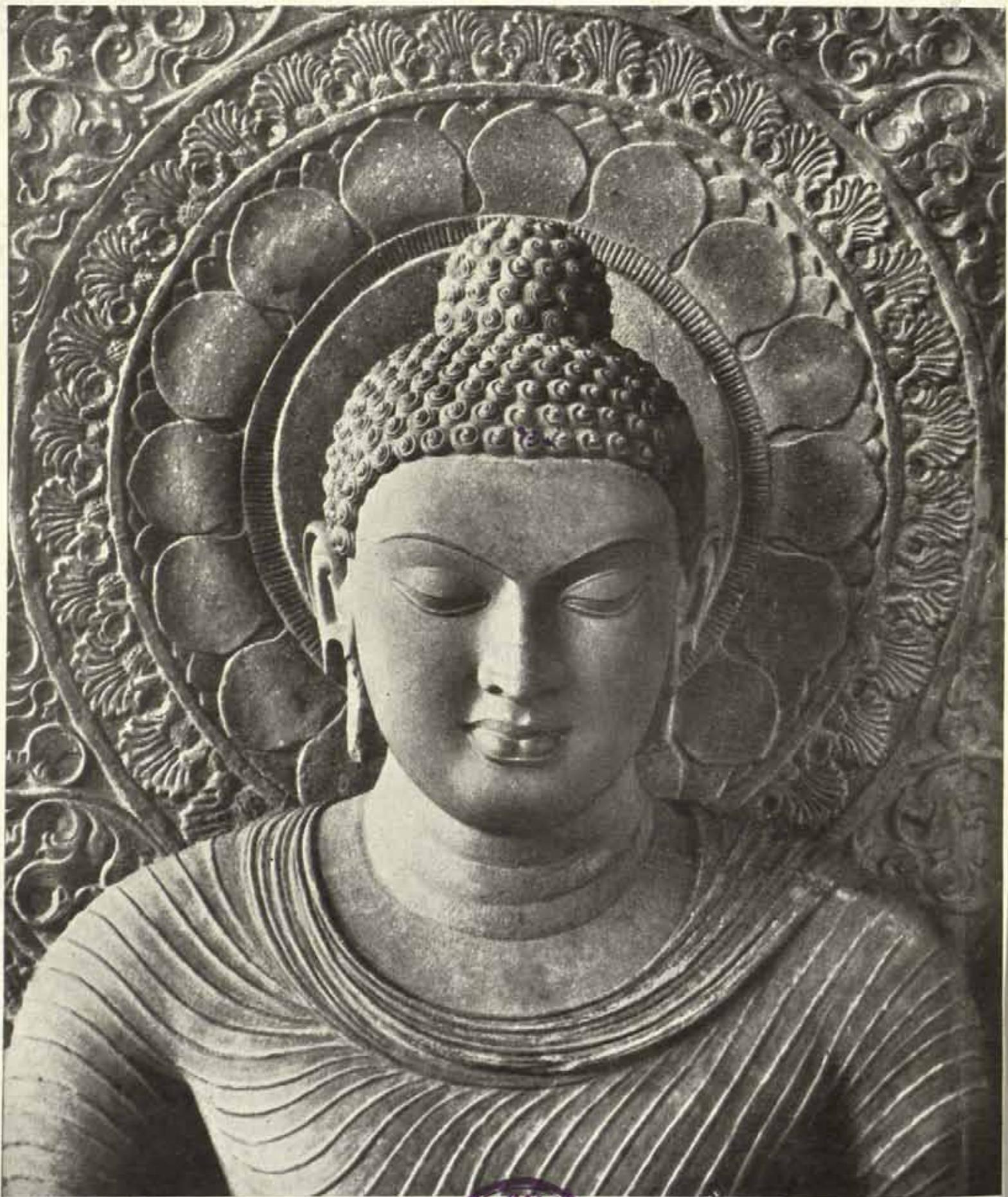
CLASS

468

CALL No. 732.44084 Ind/M.I.B.

D.G.A. 79.





बुद्ध, मथुरा

The Buddha, Mathura



BUDDHIST SCULPTURES AND MONUMENTS

20 PLS.



4638



732.44084
Ind./M.I.B.

THE PUBLICATIONS DIVISION
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

May 24, 1956

CENTRAL ARCHAEOLOGICAL
LIBRARY NEW DELHI

Acc. No. 4688

Date.... 28.6.56.

Call No. 732.44084/9nd/M.I.B.

Rs. 1-8 3s. 50 cents

48044-565
88715

Sree Sthan Guhlis hens - 13,656



माया का स्वप्न, भारहुत

The Dream of Maya, Bharhut

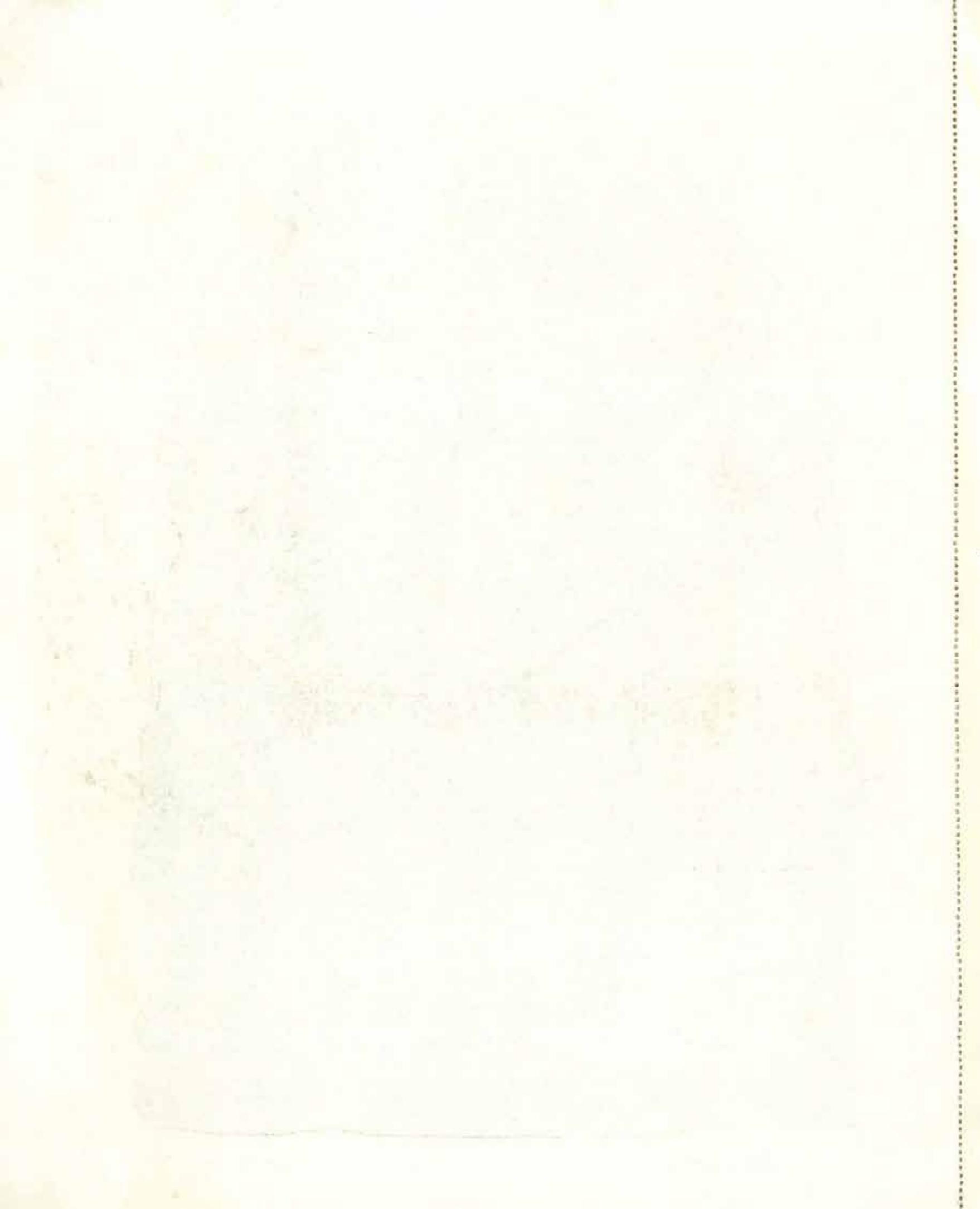
H8044-5EF

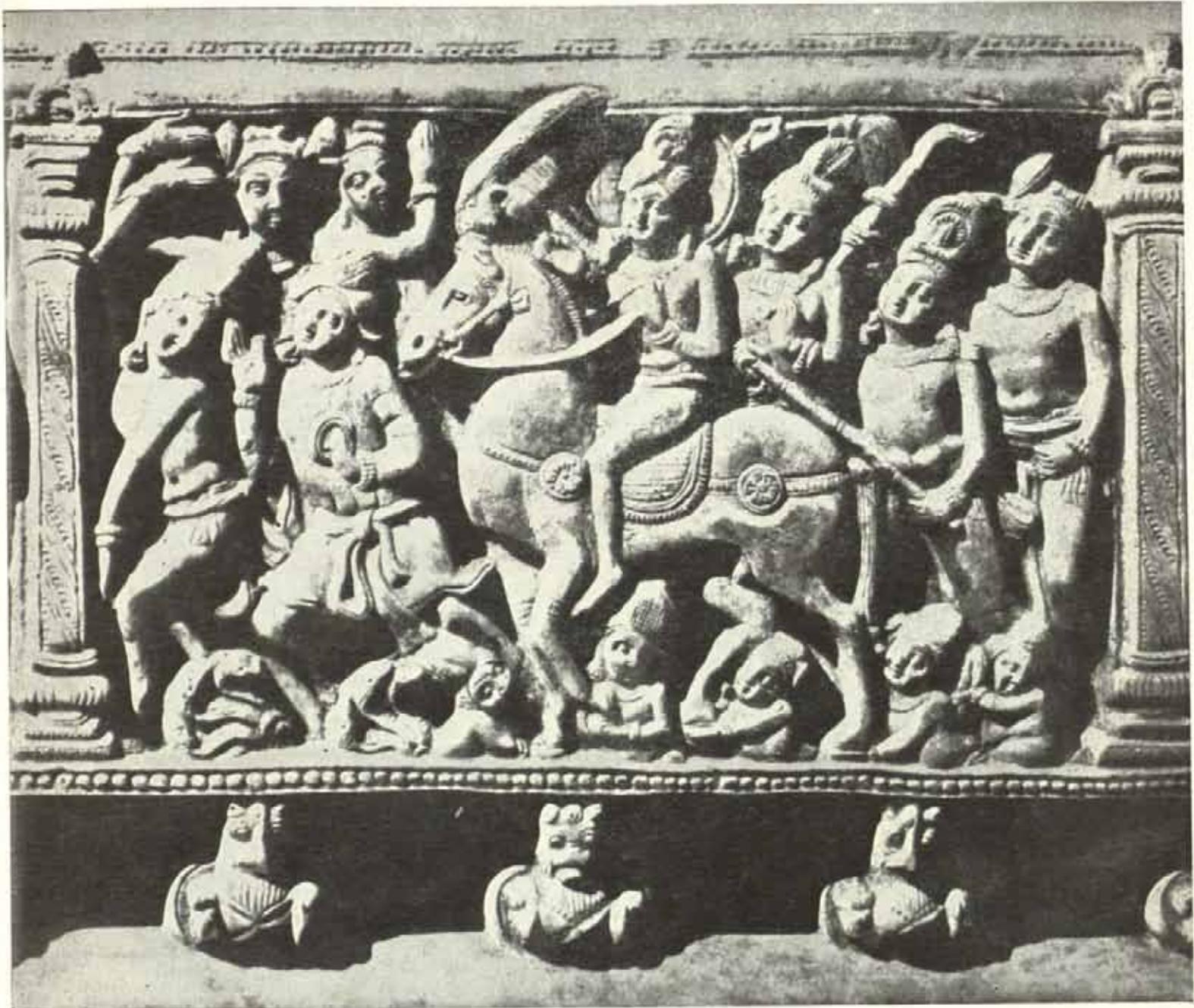
20.4-MI



सिद्धार्थ का जन्म, नालंदा

The Birth of Siddhartha, Nalanda





महाभिनिवक्तमण्ड, नारायण कोयड

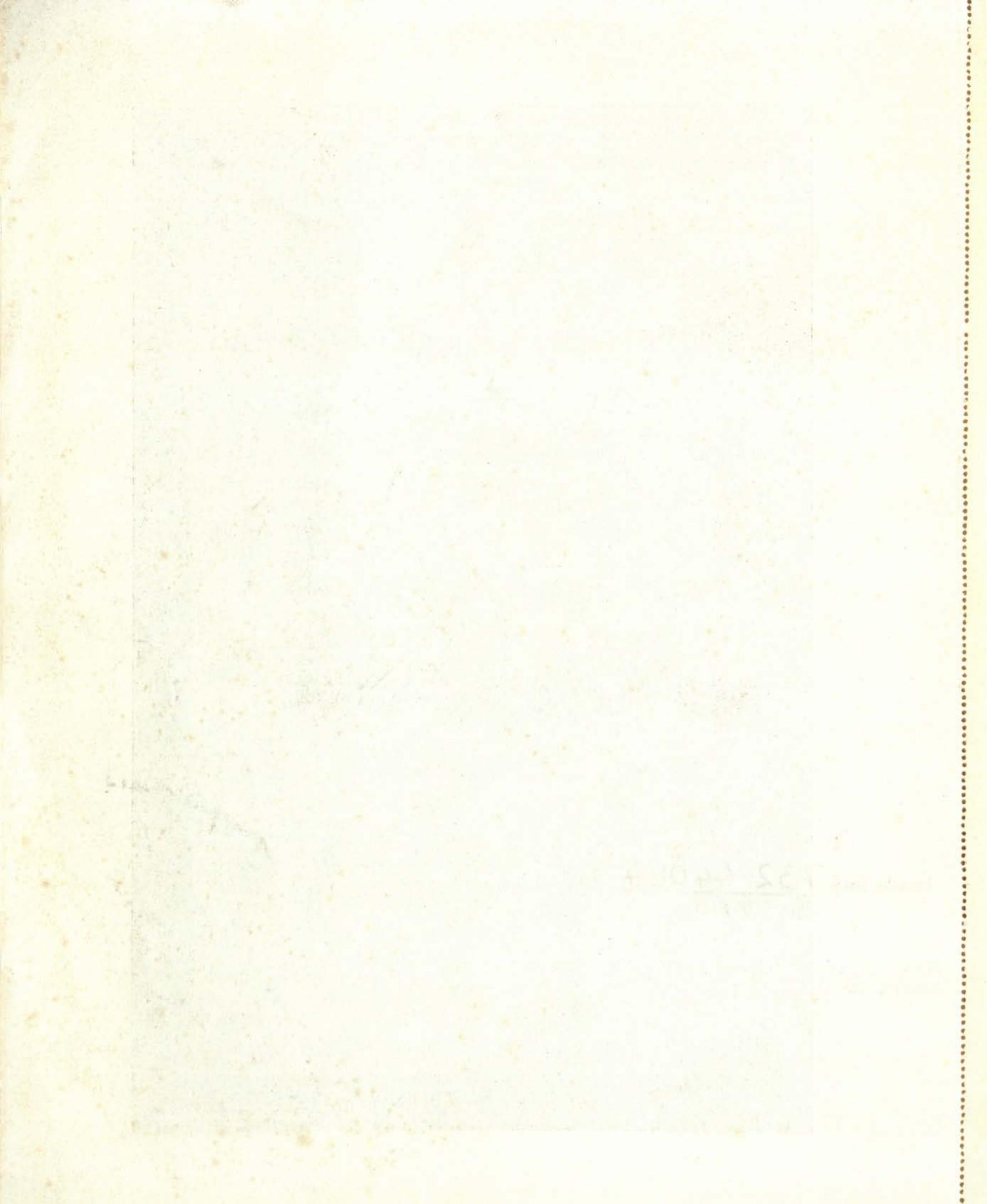
The Great Renunciation, Nagarjunakonda

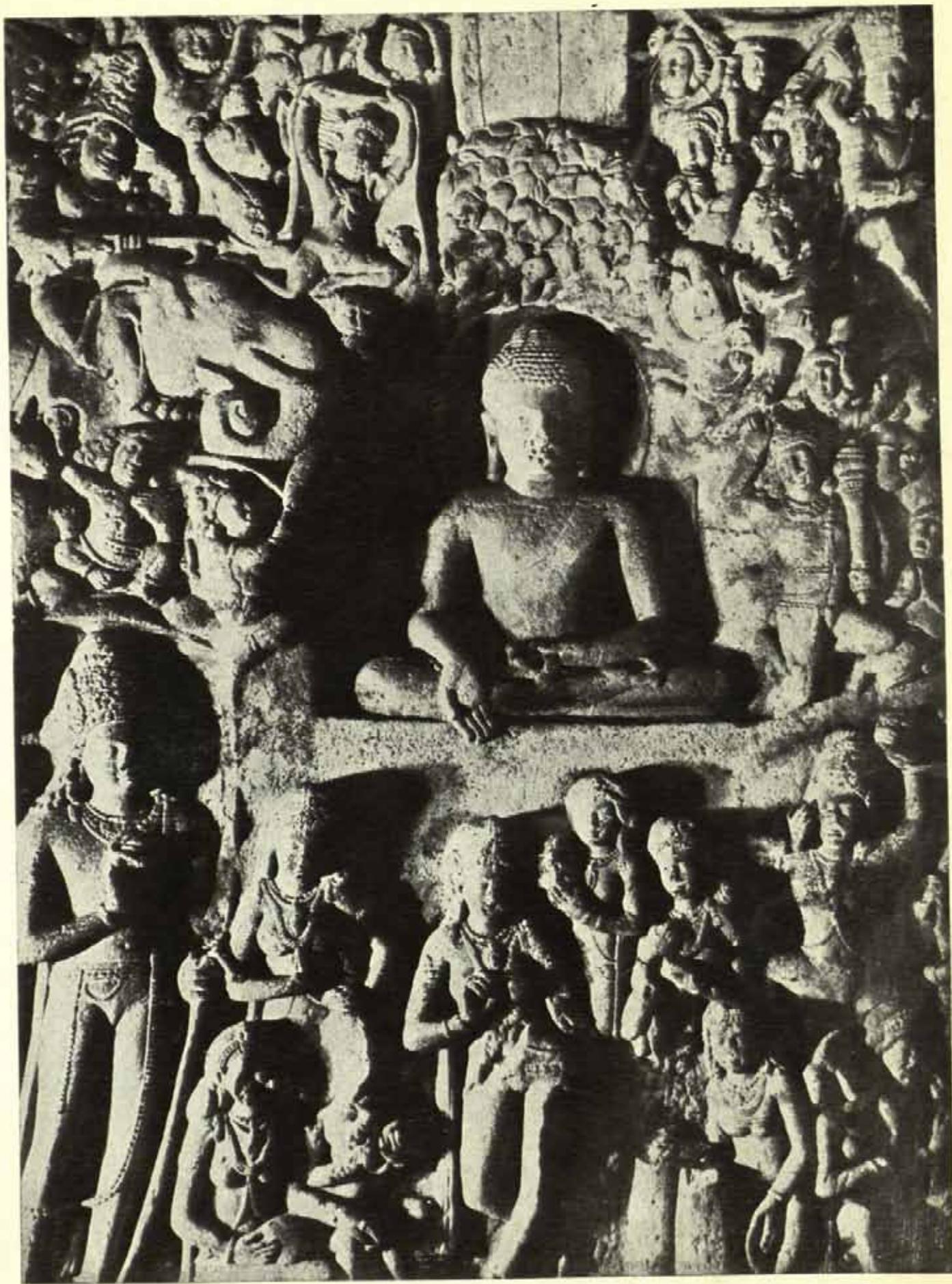
1904 SET

केश कर्तन, तिब्बत

The Cutting of
the Hair, Tibet

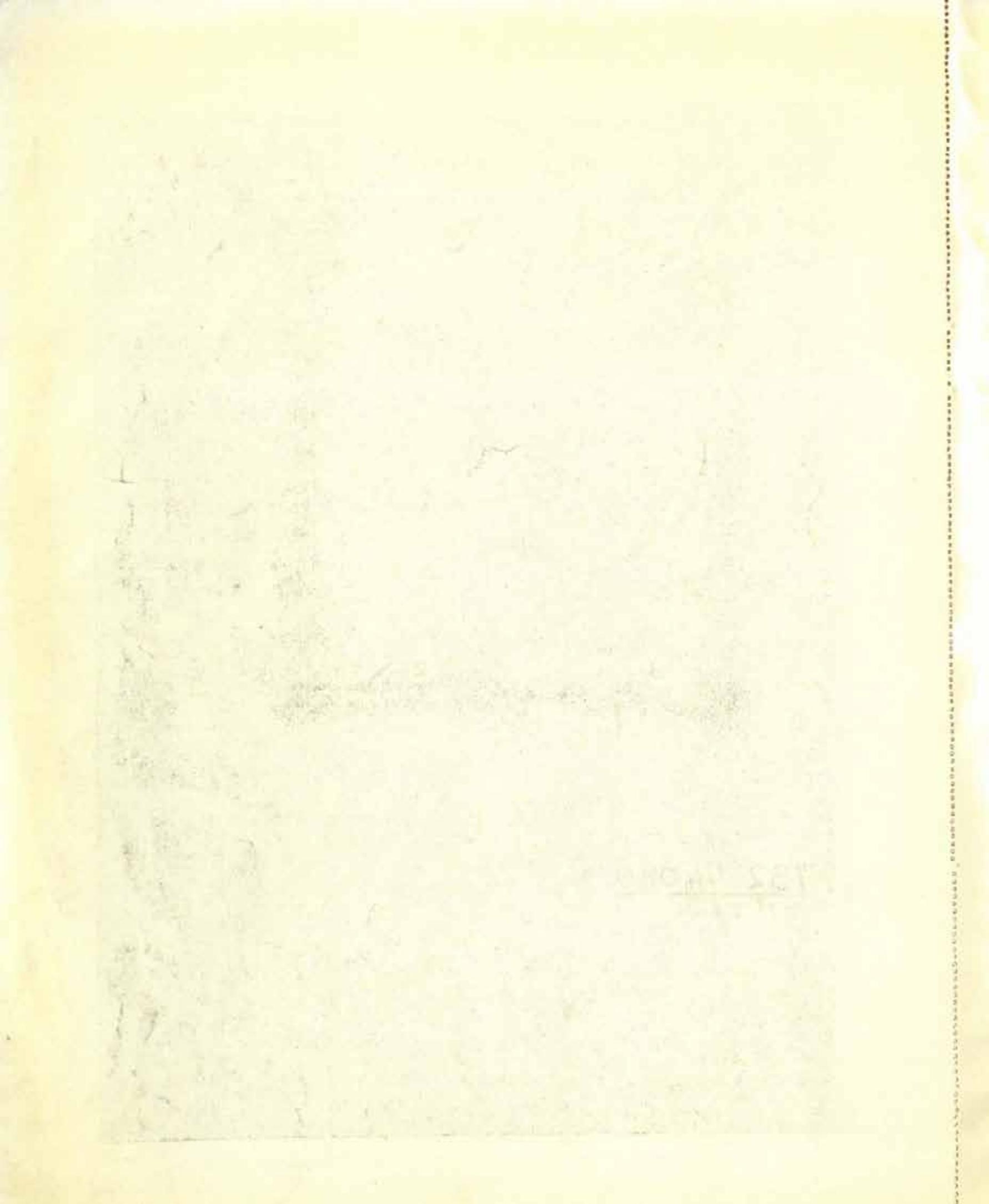


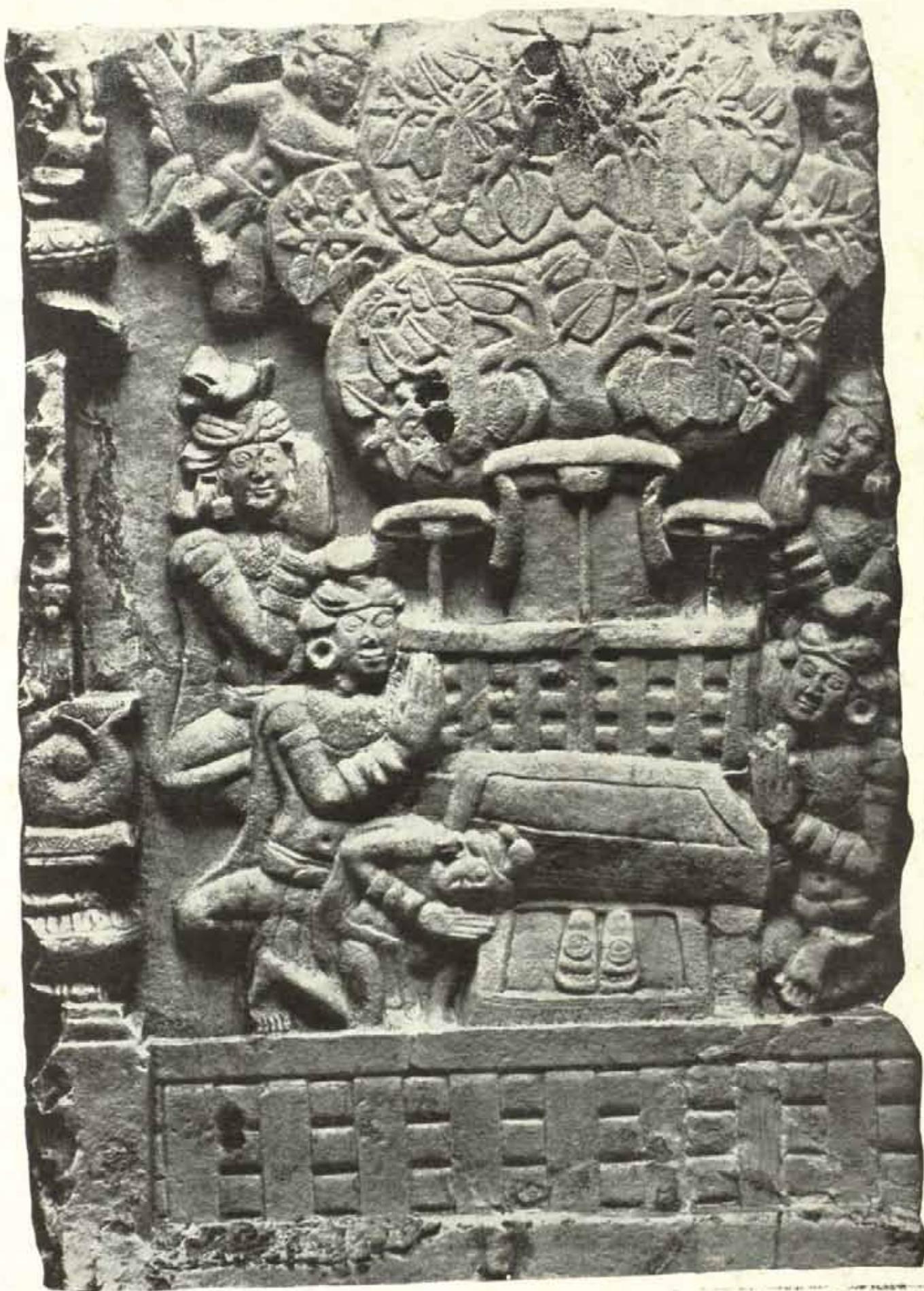




मार का आक्रमण, लुभीसर्वी गुफा, अजन्ता

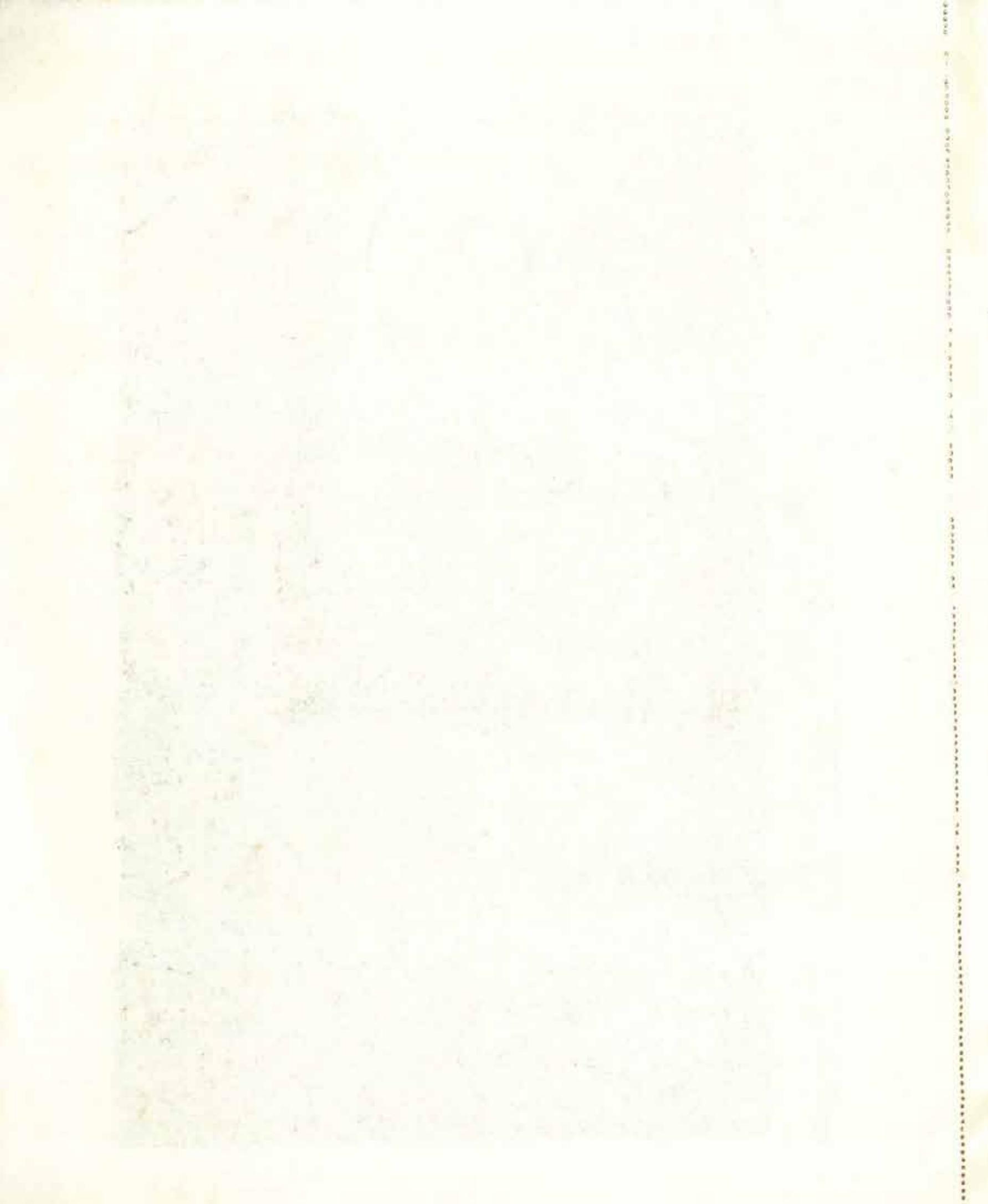
Mara's Attack, Cave 26, Ajanta





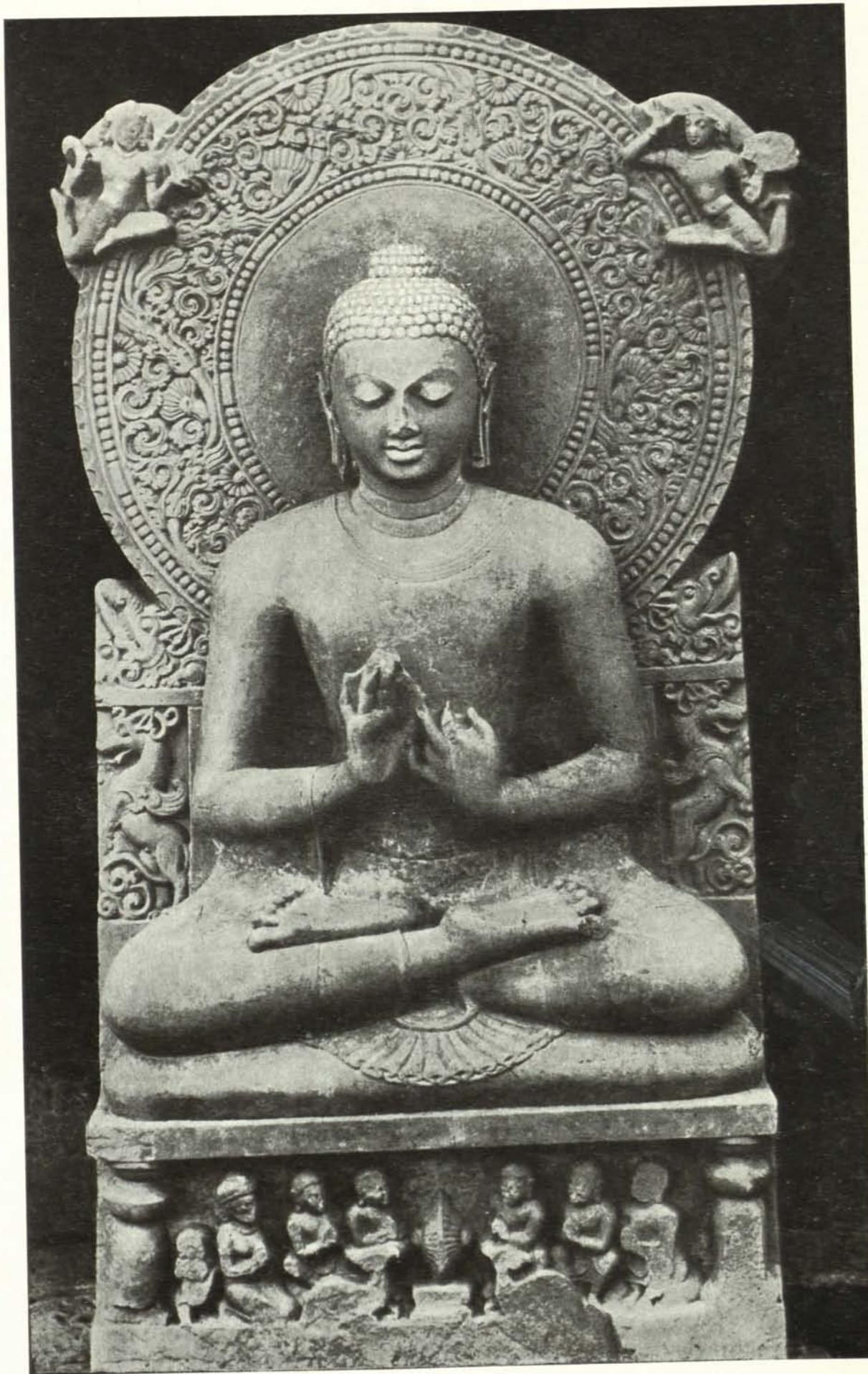
बोधि प्रासि, अमरावती

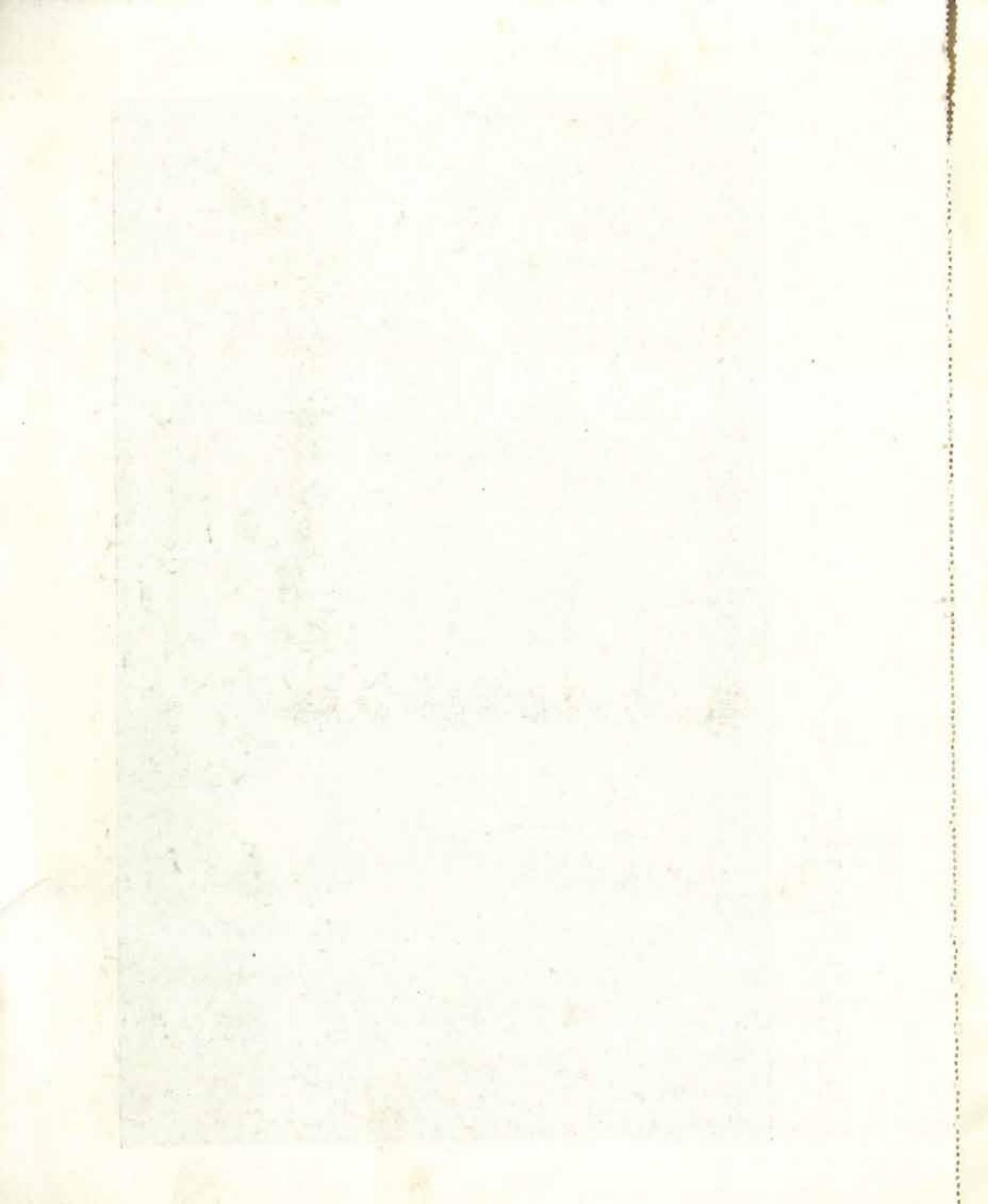
The Enlightenment, Amaravati



प्रथम उपदेश देते
हुए बुद्ध, सारनाथ

The Buddha
preaching the
First Sermon,
Sarnath

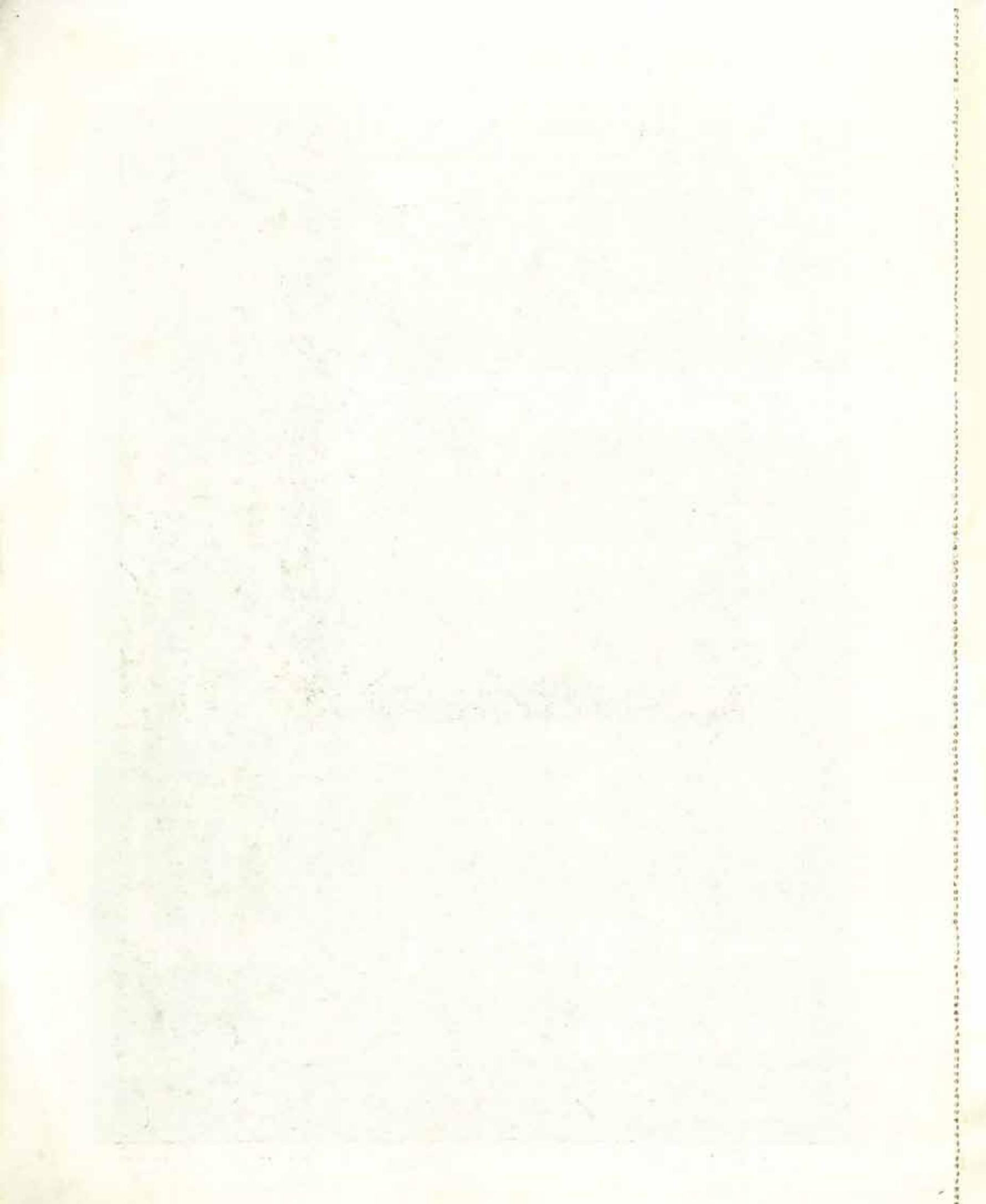






काश्यपों को धर्म दीक्षा, सांची

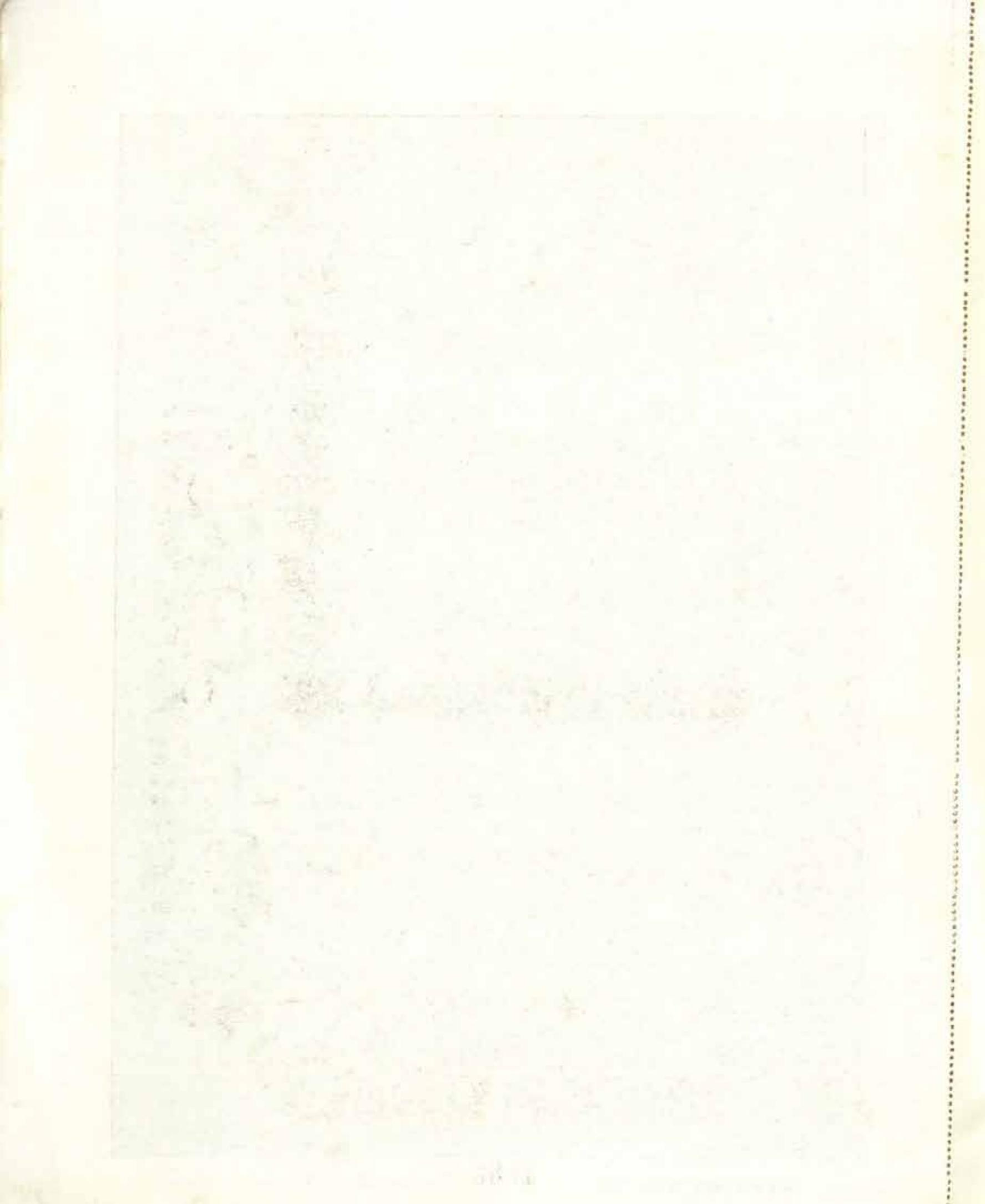
The Conversion of the Kasyapas, Sanchi





श्रावस्ती का महान् चमत्कार, गन्धार

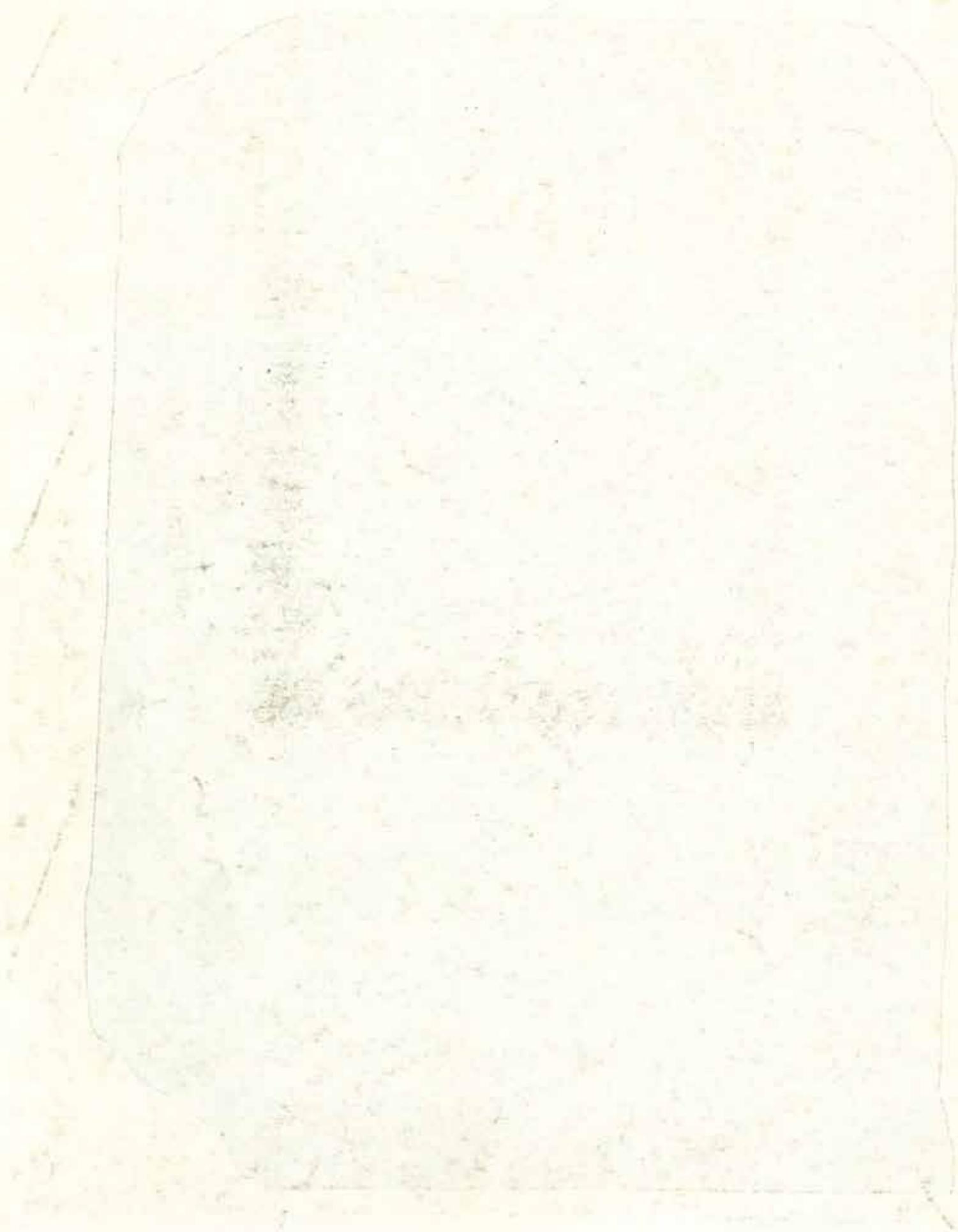
The Great Miracle of Sravasti, Gandhara

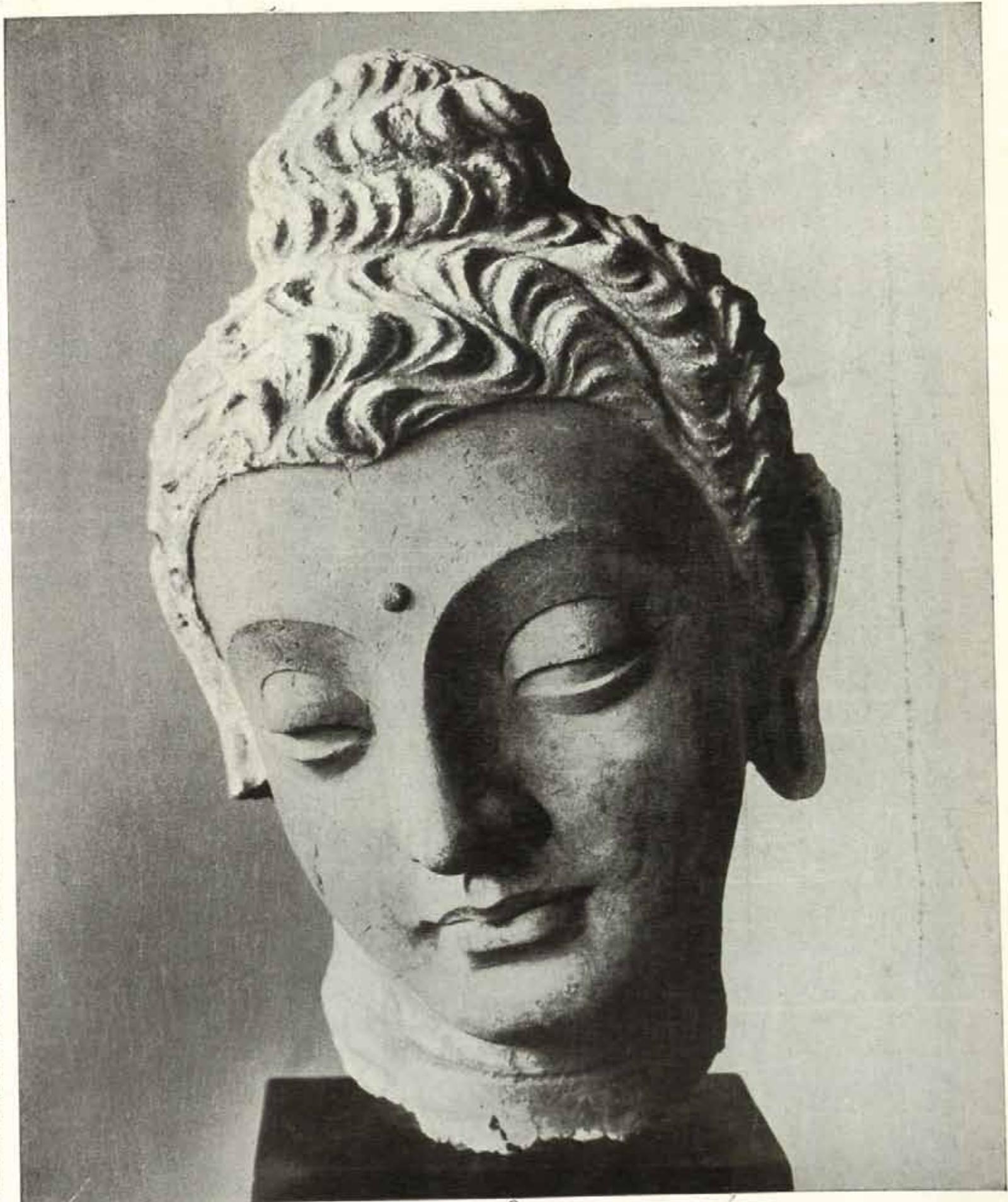




महापरिनिर्वाण, बंगाल

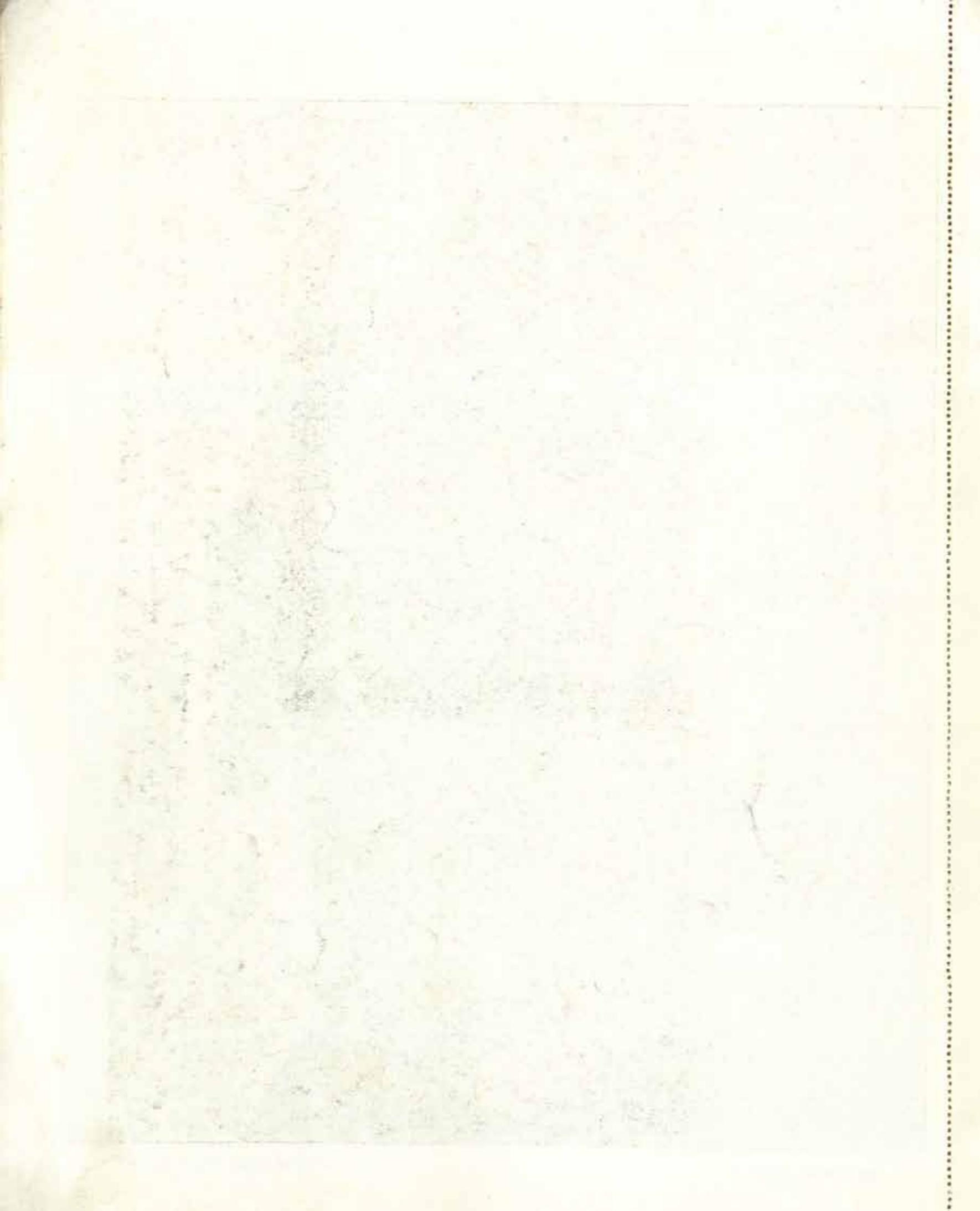
Mahaparinirvana, Bengal





बुद्ध का मस्तक, गन्धार

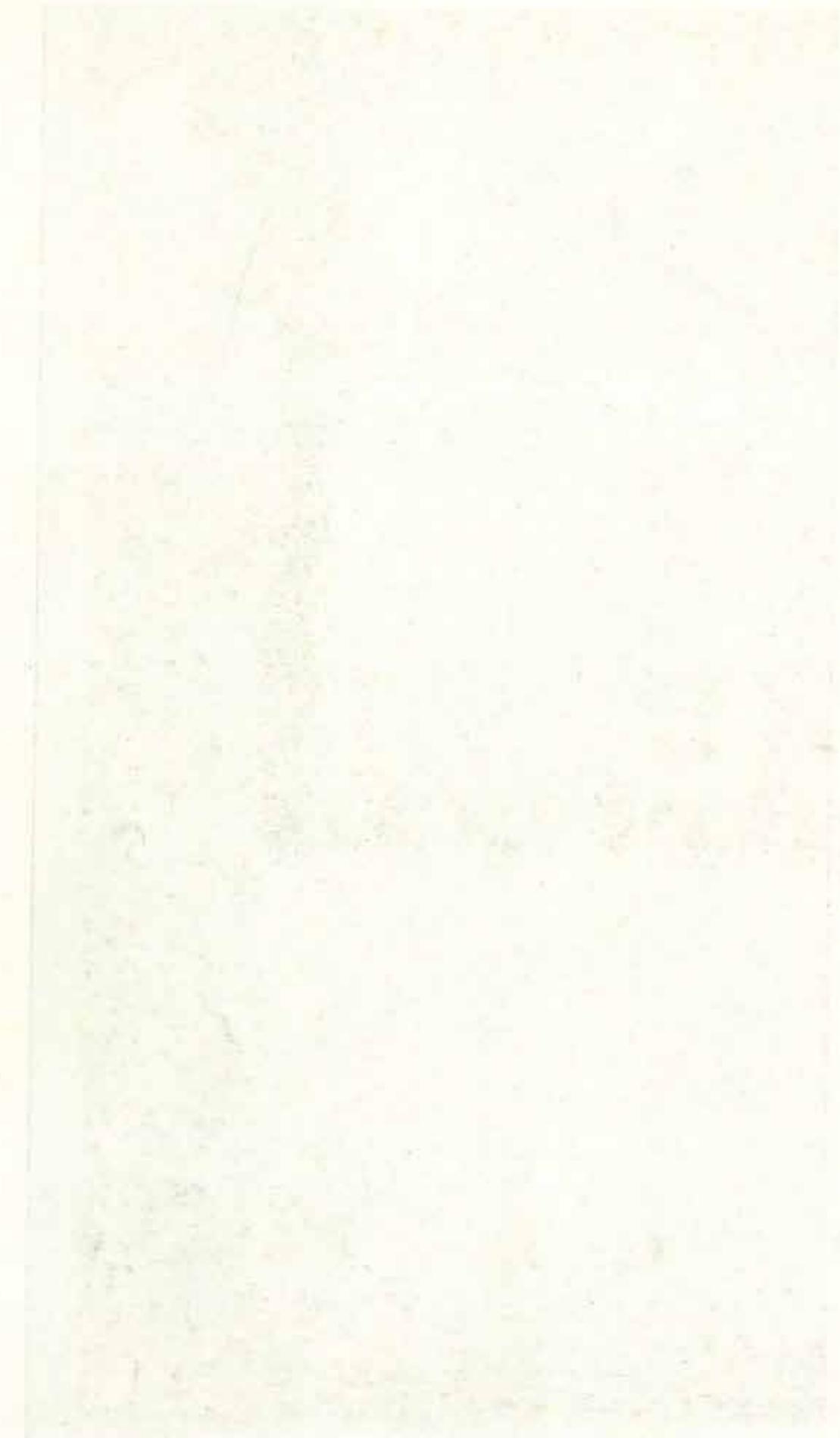
Head of the Buddha, Gandhara





बुद्ध की पलस्तर (स्टको)
मूर्ति, तक्षशिला

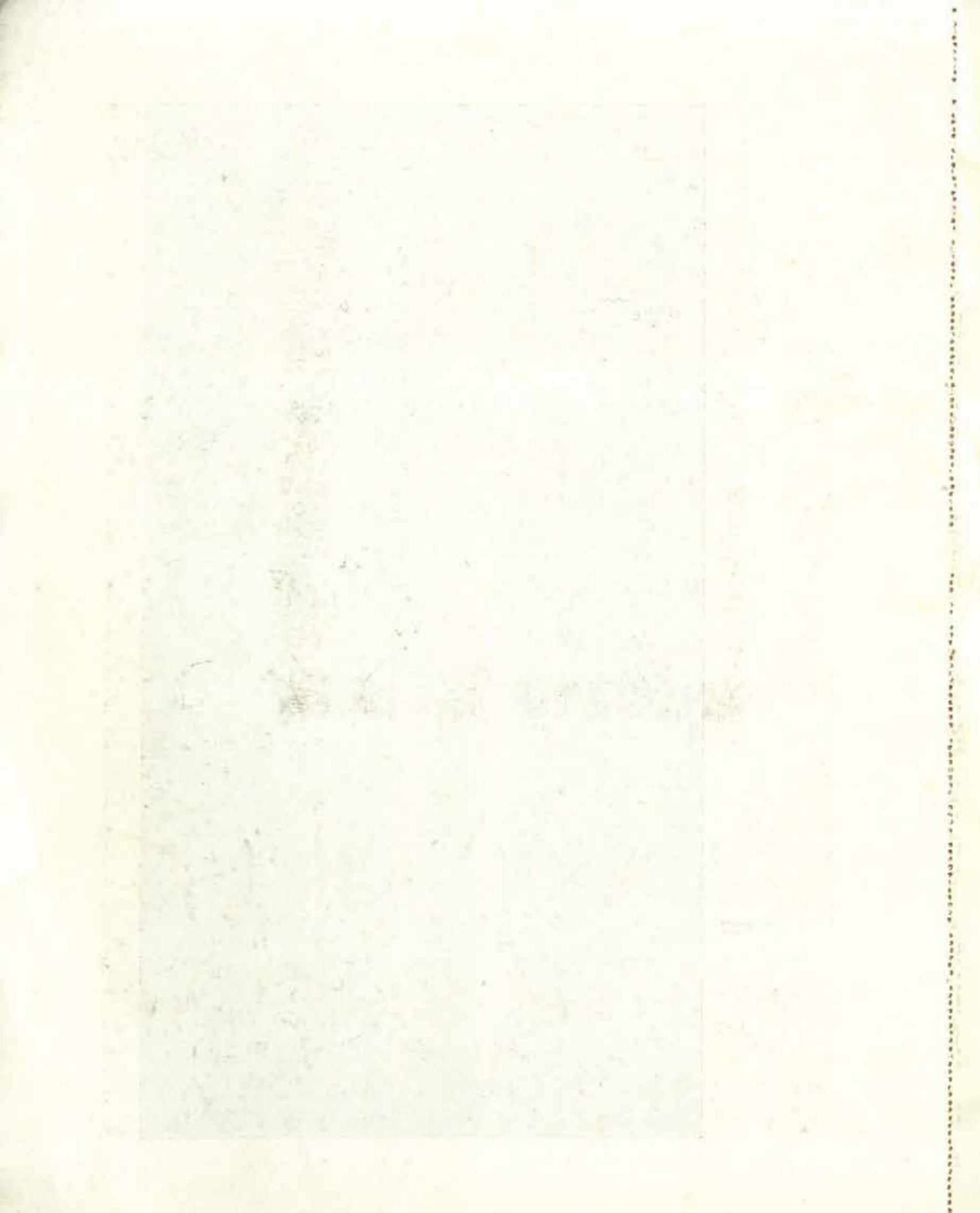
Buddha Figures in
stucco, Taksasila





बुद्ध, मथुरा

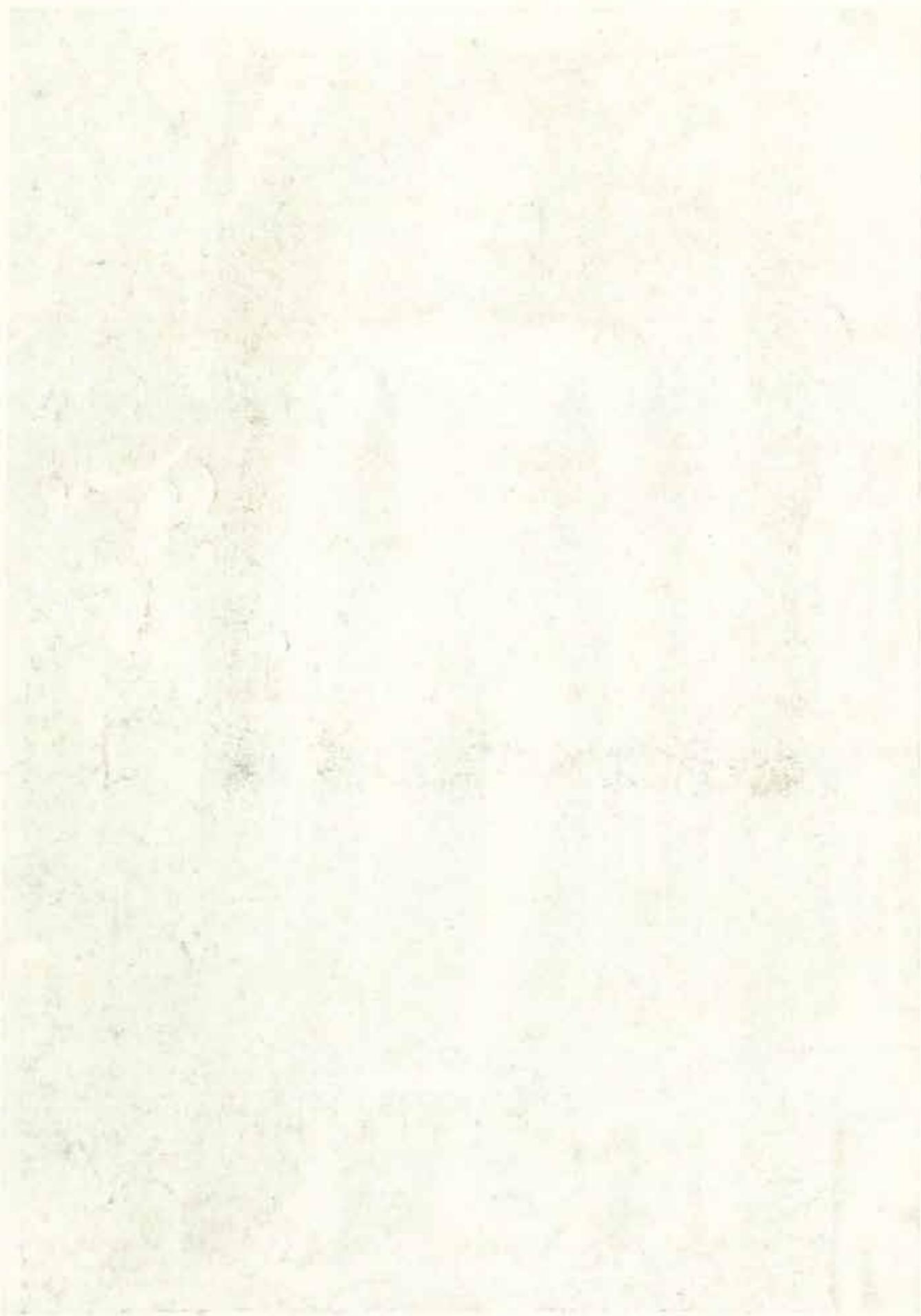
The Buddha, Mathura





वरदमुद्रा में बुद्ध, उच्चीसर्वीं गुफा, अजन्ता

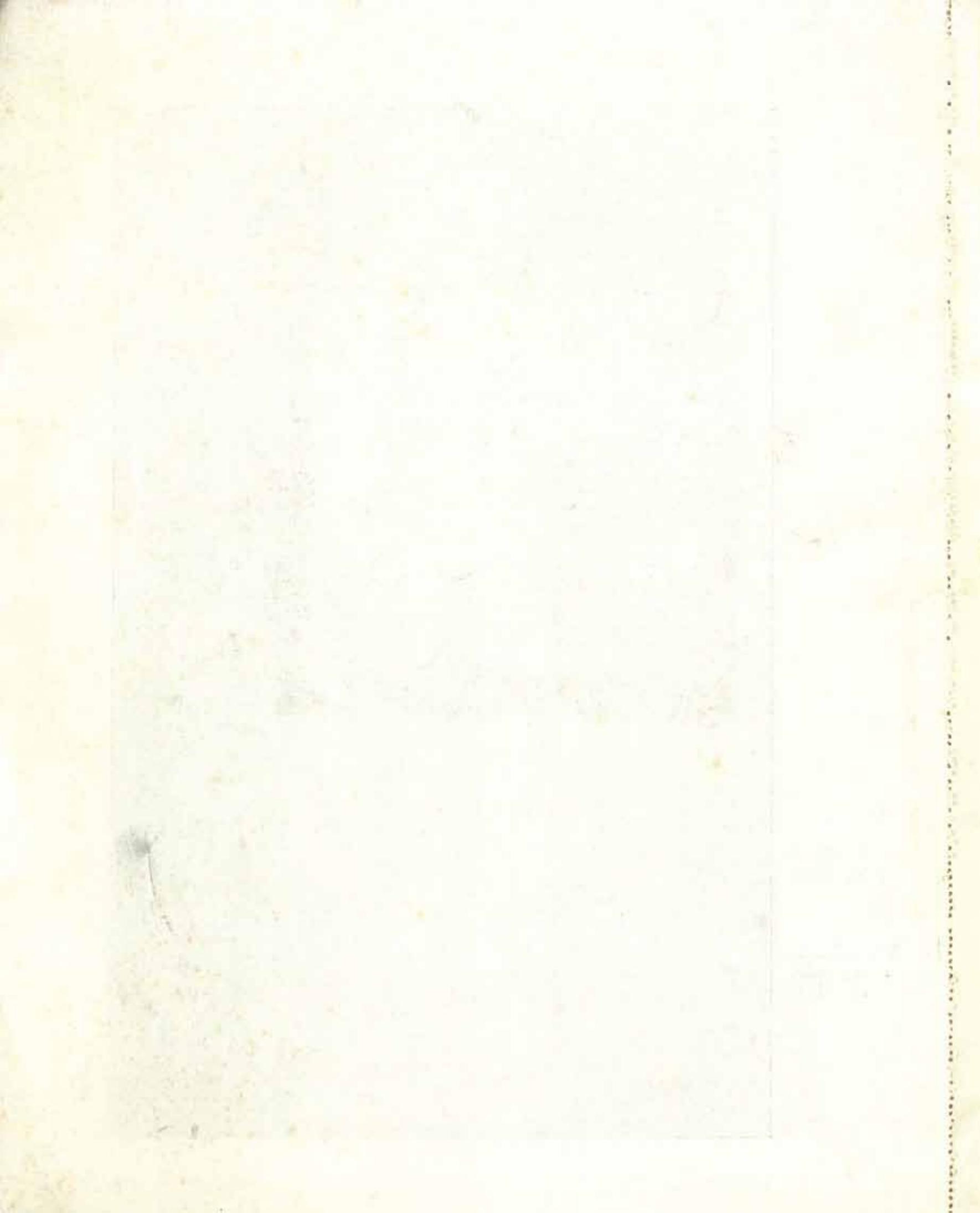
The Buddha in Varadamudra, Cave 19, Ajanta

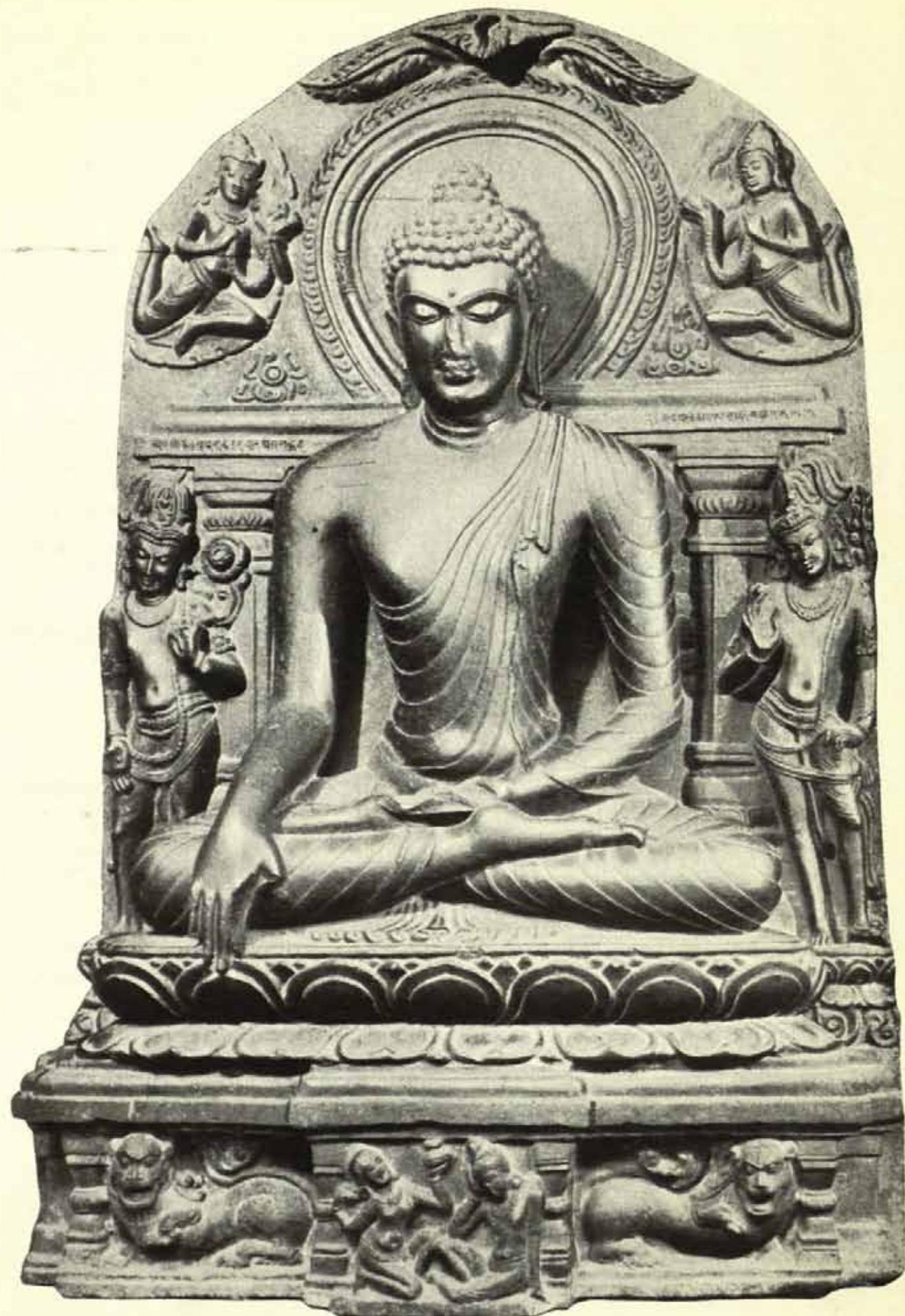


अभयमुद्रा में
बुद्ध, नालन्दा

The Buddha in
Abhayamudra.
Nalanda

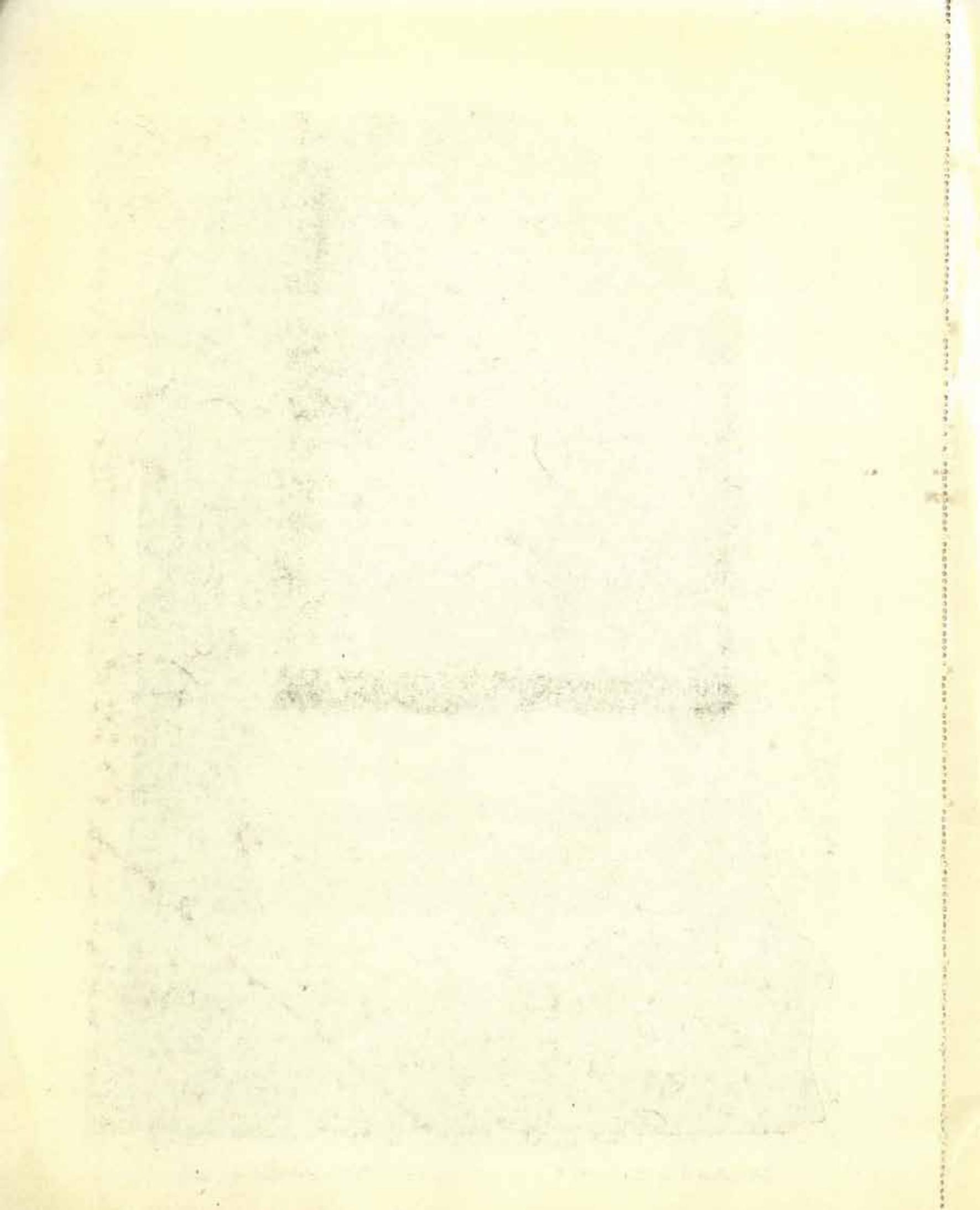






भूमिस्पर्शसुदा में बुद्ध, बंगाल

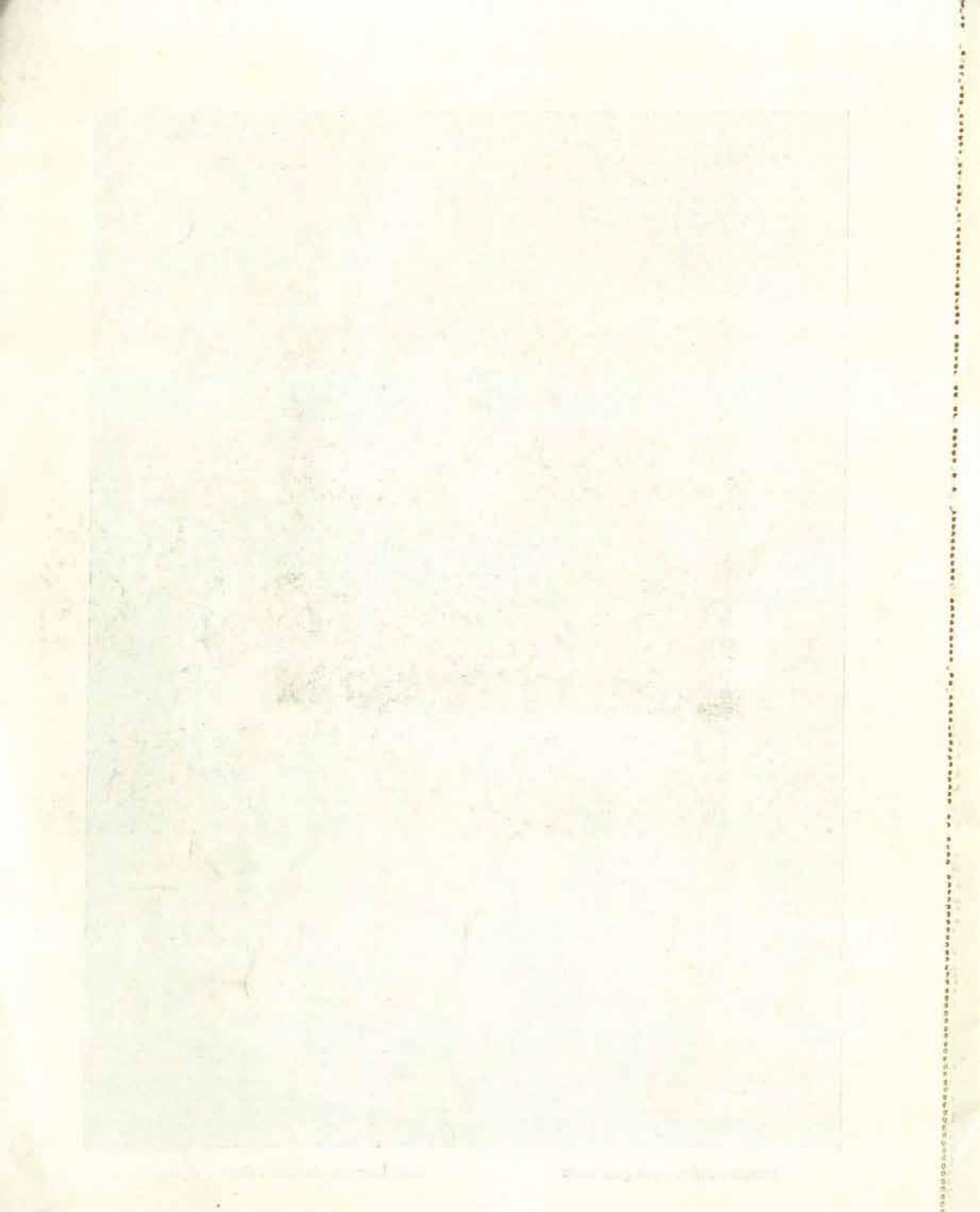
The Buddha in Bhumisparsamudra, Bengal

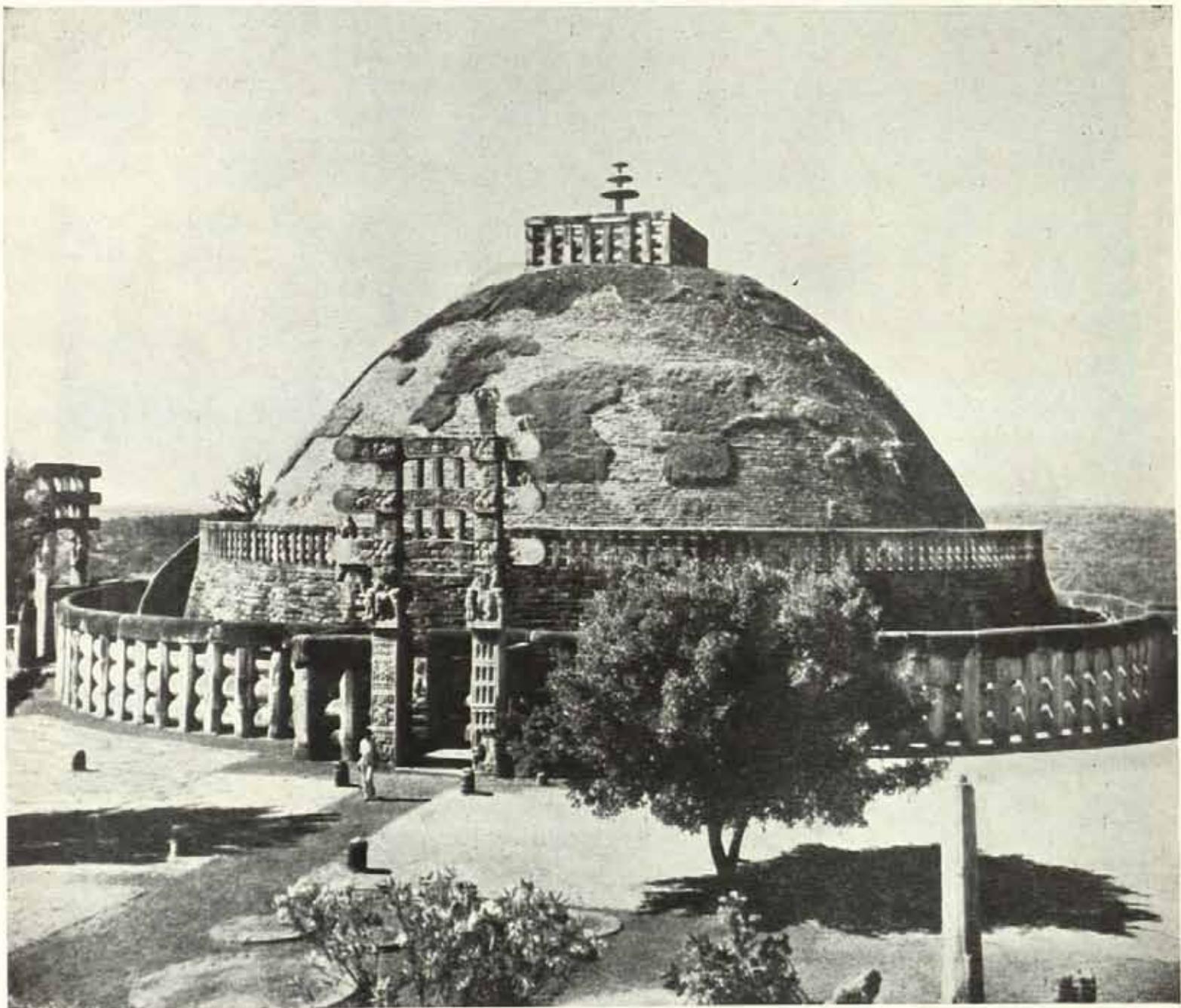




बोधिसत्त्व पद्मपाणि, पहली गुफा, अजन्ता

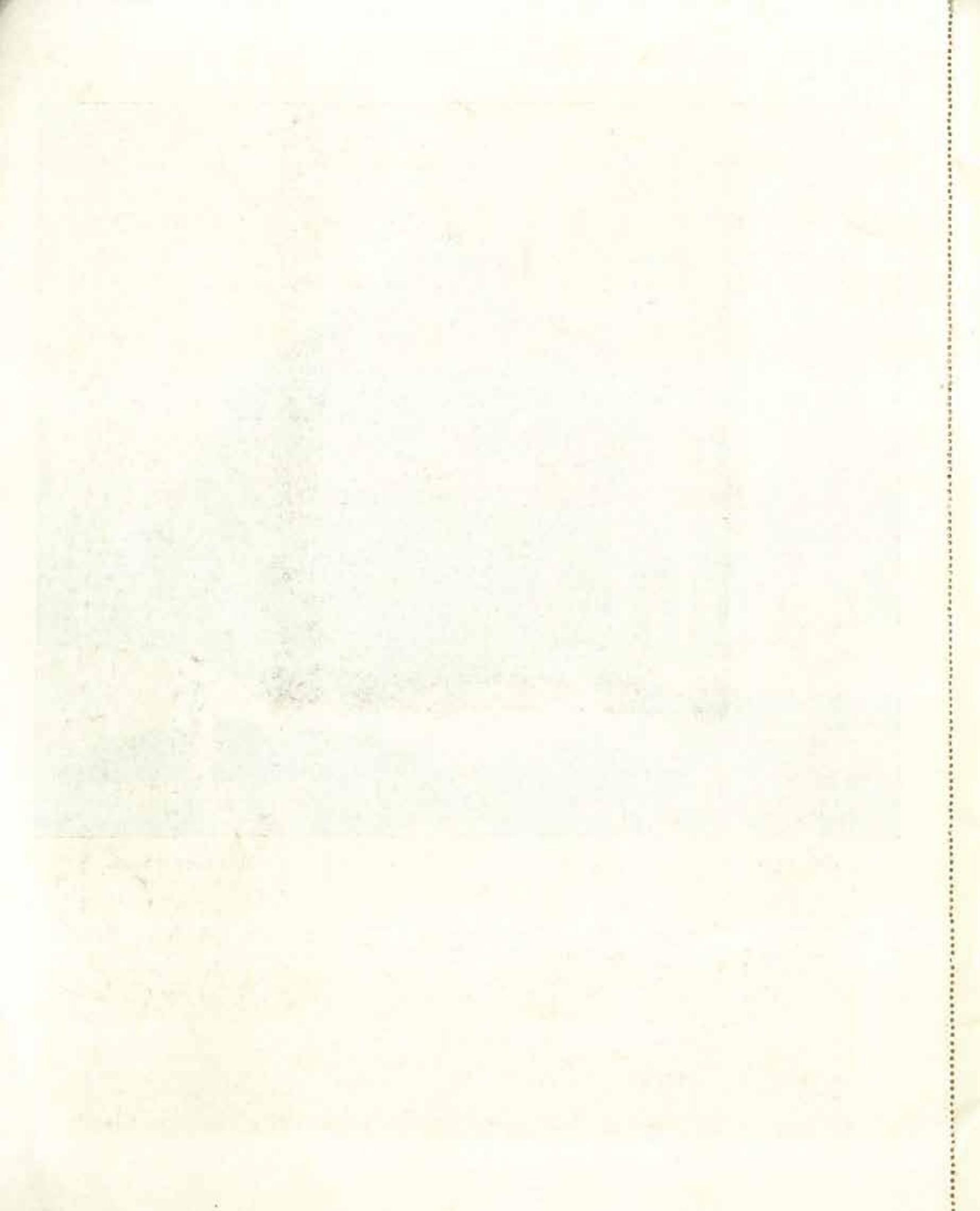
Bodhisattva Padmapani, Cave 1, Ajanta

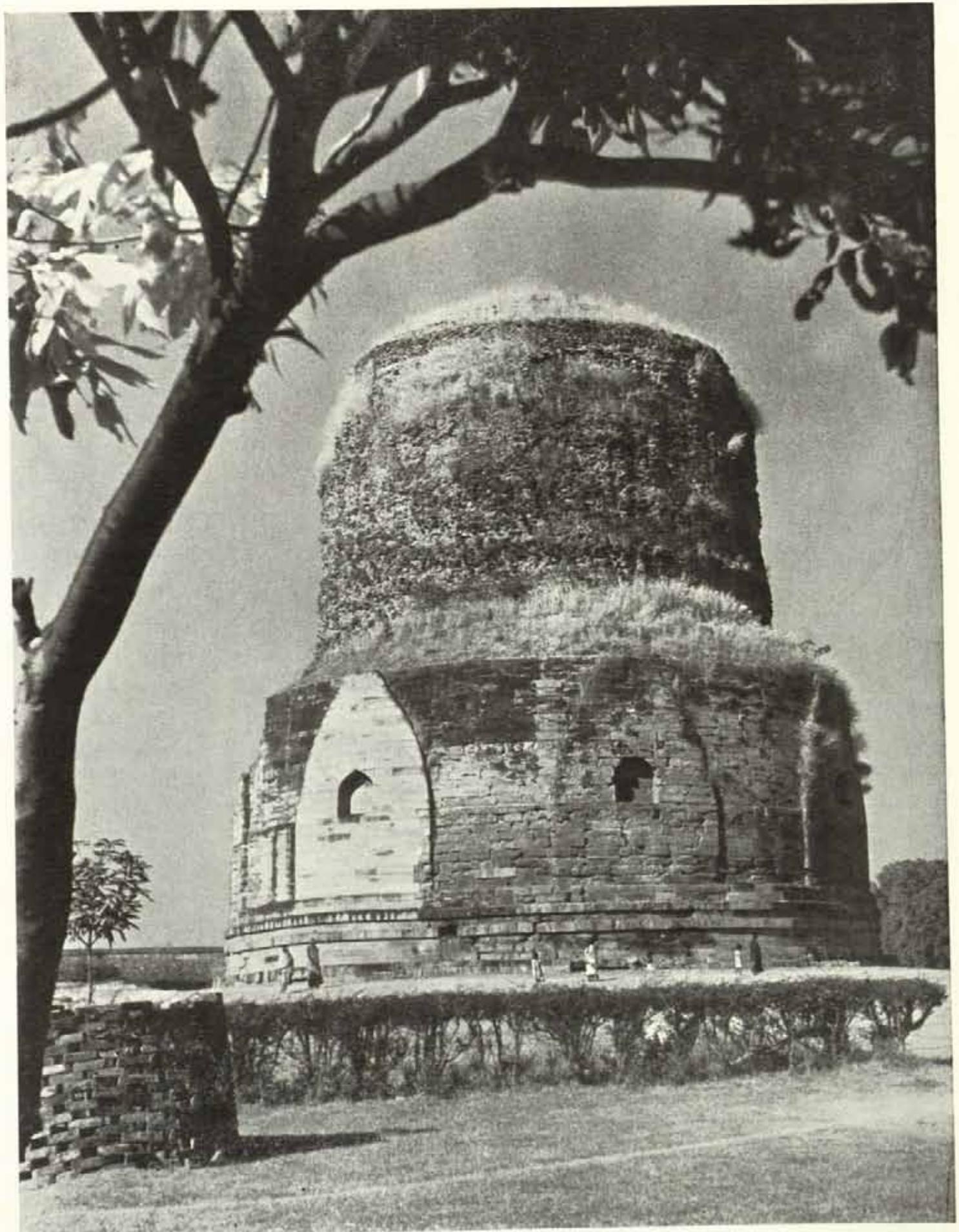




सांची का मुख्य स्तुप

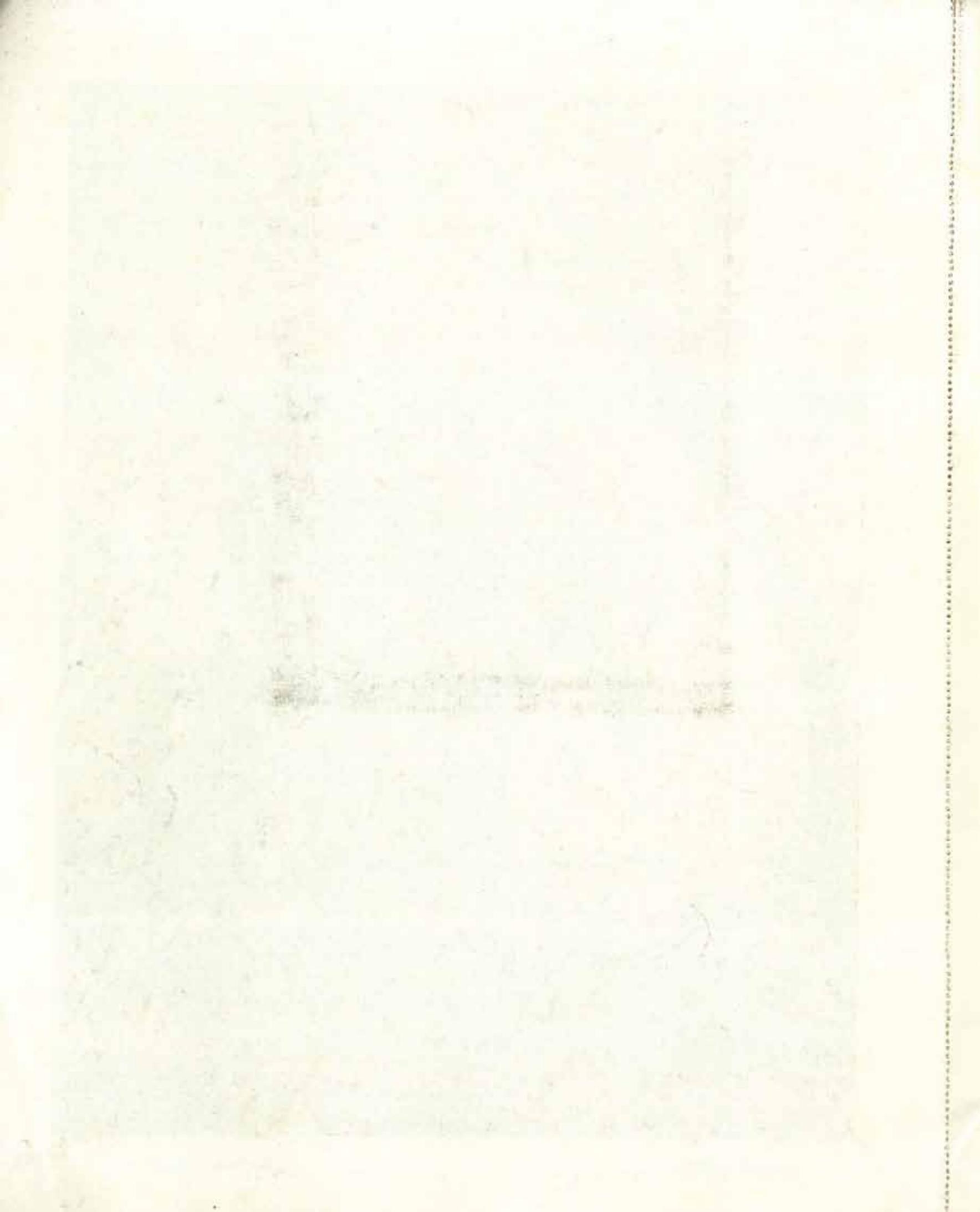
Main Stupa at Sanchi

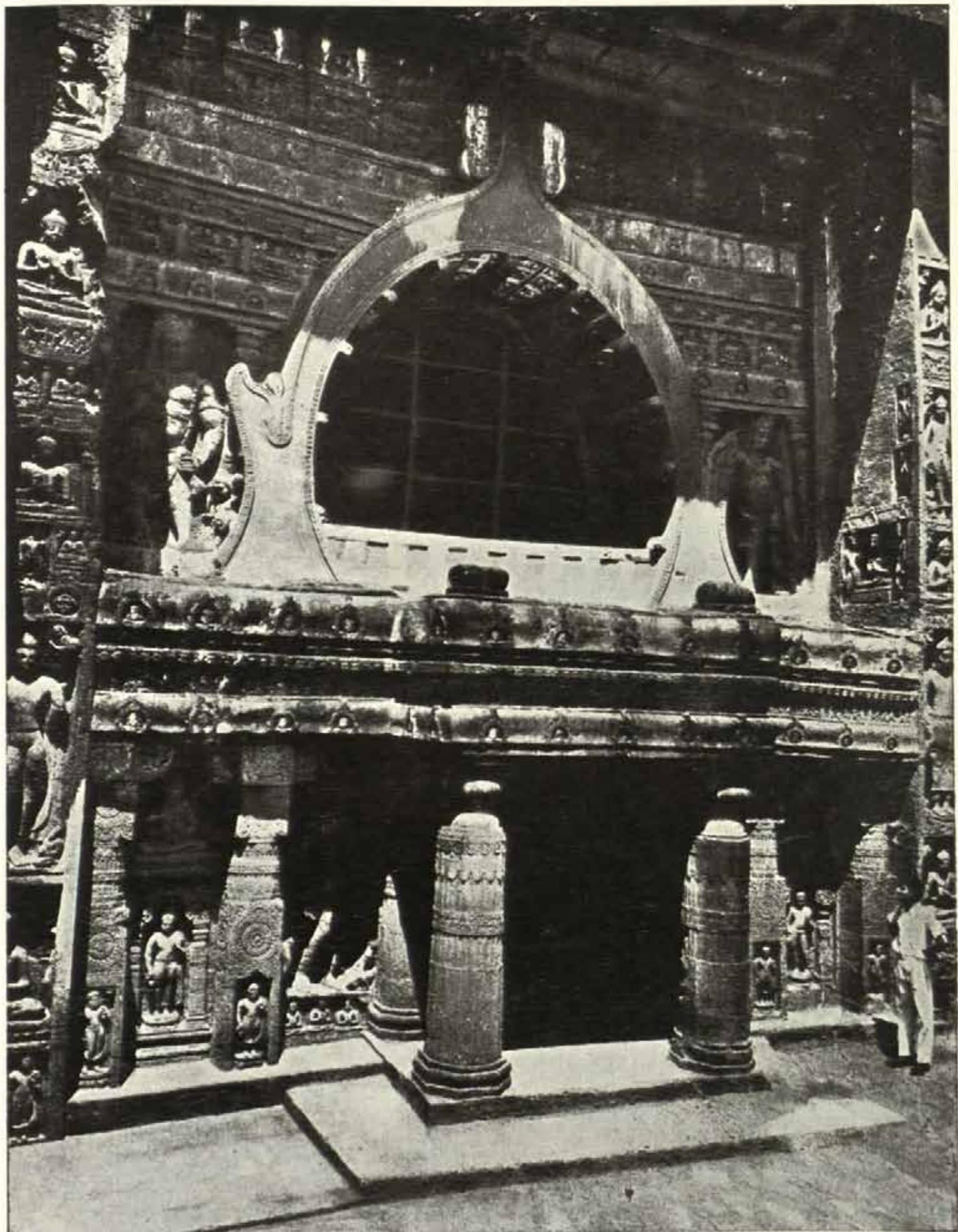




धामेख स्तूप, सारनाथ

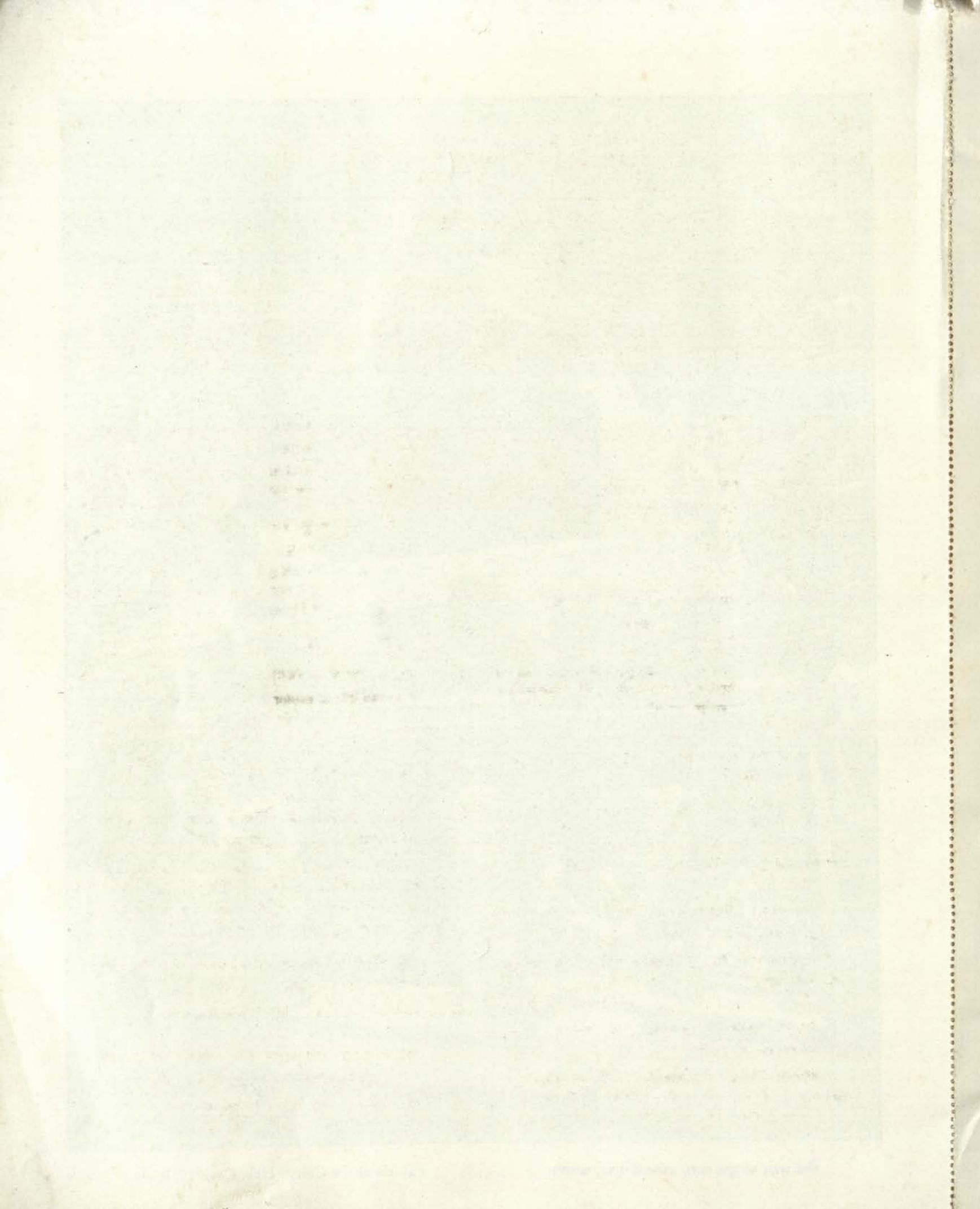
Dhamekh Stupa, Sarnath





चैत्य भवन का मुख्य भाग, उत्तीर्णी-गुफा, अजन्ता

Facade of the Caitya Hall, Cave 19, Ajanta



टिप्पणियाँ

मुख पृष्ठ—बुद्ध । पाषाणा, मधुरा, गुप्तकाल, पौच्छ्री शताब्दी
इस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय, नयो दिल्ली ।

१. माया का स्वर्ण । पाषाणा, शुगकाल, भारहुत, दूसरी
शताब्दी ई० प०, भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता ।

इसमें बोधिसत्त्व राज्यमुनि का श्वेत हस्ती के रूप में माया के गमे
में प्रवेश दिखाया गया है ।

२. मिदाप्त का जन्म । पाषाणा, नालन्दा, न्यारही शताब्दी
ईस्वी, भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता ।

इसमें लुभिनो कुंज में साल बुद्ध को एक राखा एको दुप खड़ी माता
माया के दाये और से बोधिसत्त्व का चमत्कारपूर्ण जन्म दिखाया गया है ।
जन्म के तुरन्त बाद बोधिसत्त्व नूमि पर सोथे खडे दुप और अरनो निर्विवाद
भेदभाव का उद्दोष करने दुप सात डग चले ।

३. महानिर्विकल्प । चूने का पथर, नामाजुँनकोशल, तीसरी
शताब्दी ईस्वी ।

बीबन के भ्रमात्मक आनन्द से बनने तथा निर्वाण का भाग ई०
निकालने का दुद निश्चय करके बोधिसत्त्व (राजकुमार तिळार्थ) कपिलवस्तु
का त्याग करते हैं । देवता समर्थन करते हैं, और चार देवता थोड़े के सुरों
को ऊपर उठाये दुप हैं जिसमें दाप की आवाज न सुनायी पड़े ।

४. केश कर्तन । मन्दिर की पताका, निर्वत (इस समय गिमे
संग्रहालय, परिस में) स्वरही शताब्दी ईस्वी ।

मन्दिरों का बीबन बिताने के लिए बोधिसत्त्व जम्बी लटो का कोई लाभ
नहीं, इसलिए राजकुमार मिदाप्त अपने केश कोट रहे हैं ।

५. मार का आक्रमण । छब्बीसवीं गुफा, अजन्ता, लगभग
शताब्दी शताब्दी ईस्वी ।

बोधिसत्त्व बोधि दुर्ग के नीचे अद्यानावस्थित है और दुष्टात्मा मार उनको
प्रोत्तमन दे रहा है, जिन्हें बोधिसत्त्व अद्यान में निर्विज्ञ रूप से संलग्न है ।

६. बोधि-प्राप्ति । चूने का पथर, अमरावती, पहली शताब्दी
ई० प०, बिटिश संग्रहालय, लन्दन ।

भारतीय कला की परम्पराओं के अनुरूप वहाँ बोधि दुर्ग के माध्यम से
बोधि-प्राप्ति का विश्वरूप कराया गया है ।

७. प्रथम उपदेश देते दुप बुद्ध । पाषाणा, सारनाथ, गुप्तकाल,
पौच्छ्री शताब्दी ईस्वी, पुरातत्त्व सम्बन्धी संग्रहालय, सारनाथ ।

भारतीय कला की इस अनुपम कृति में दुर्ग को सारनाथ में प्रथम
उपदेश देते दुप दिखाया गया है । इसके निचले माग में मुख्यतया प्रतीक
'पर्मैचक्ष' तथा अनुयायियों के चित्र सुने दुप हैं ।

८. काश्यपों को धर्म-दीक्षा । पाषाणा, दक्षिणी स्तम्भ, पूरी
तीरण, प्रथम स्तप्त, पहली शताब्दी ई० प० ।

प्रथम उपदेश देने तथा सारनाथ में नहीं लोगों को धर्म-दीक्षा देने के
बाद दुप उस्तेला आये जहाँ उन्होंने कई चमत्कार दिखाये । इन्हीं चमत्कारों
में एक चमत्कार बाद से वही दुप निरंजना नदी के पानी पर चलने का बा
विस्ता कि वहाँ दिखाया गया है । इसी के परिसामनस्वरूप काश्यपों ने धर्म-
दीक्षा ली ।

९. धावस्ती का महान चमत्कार । शिष्ट, गन्धार, दूसरी-तीसरी
शताब्दी ईस्वी, केन्द्रीय संग्रहालय, लाहौर ।

धावस्ती में इः पाषाणी गुरुओं पर, जिन्हें अपनी चमत्कारिक शक्ति
का गवै था, ब्रह्मता स्थापित करने के लिए दुर्ग ने अपने चमत्कार दिखाये ।
इसमें दुर्ग अपने स्वरूपों का स्वर्ग तक विस्तार करते दुप दिखाये गये
हैं जिसे देखकर पाषाणी आश्चर्य में पड़ जाते हैं ।

१०. महापरिनिवारण । पाषाणा, बंगाल, लगभग दसवीं शताब्दी
ईस्वी, अशुतोष संग्रहालय, कलकत्ता ।

मन्महीनगर में दुर्ग का महापरिनिवारण दिखाया गया है ।

११. दुर्ग का मस्तक । चूने का बना दुर्घार, चौधी-पौच्छ्री
शताब्दी ईस्वी, विष्टोरिया तथा अल्बर्ट संग्रहालय, लन्दन ।

लहरदार बालों तथा उष्णीष पर अद्यान दिखा जाना चाहिए ।

१२. बुद्ध की पलस्तर (स्टको) मूर्ति । मध्यस्थित मूर्ति में वे ध्यानावस्थित हैं । जौलियन विहार, तचशिला, लगभग पाँचवीं शताब्दी ईस्वी ।

१३. बुद्ध । पाषाण, मथुरा, गुप्तकाल, पाँचवीं शताब्दी ईस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली ।

मूर्ति अपनी पूर्णता तथा भव्यता के लिए अद्वितीय है । सिर के पीछे एक कलात्मक प्रभामण्डल है, जो गुप्तकालीन कला की विशेषता है ।

१४. वरदमुद्रा में बुद्ध । उज्जीसर्वीं गुफा, अजन्ता, लगभग छठी शताब्दी ईस्वी ।

यहाँ बुद्ध वरदान देते हुए दिखाये गये हैं । मूर्ति की सौम्यता गुप्तकालीन कला की विशेषता है ।

१५. अभयमुद्रा में बुद्ध । कांस्य, नालन्दा, नवीं शताब्दी ईस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली ।

गुप्तकालीन कला की परम्पराओं पर आधारित मूर्ति महान सौन्दर्य और गठन की श्रेष्ठता से परिपूर्ण है ।

१६. भूमि-स्पर्श-मुद्रा में बुद्ध । पाषाण, बंगाल, लगभग दसवीं शताब्दी ईस्वी, आशुतोष संग्रहालय, कलकत्ता ।

पाल युग की इस विशेष कलाकृति में बारीक खुदाई का दिग्दर्शन होता है ।

१७. चौधिसत्त्व पद्मपाणि । भित्ति चित्र, पहली गुफा, अजन्ता, लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी ।

एक अनुपम कृति, मूर्ति अपनी आध्यात्मिकता के भाव के चित्रण तथा भव्यता के लिए प्रसिद्ध है ।

१८. सौंची का मुख्य स्तूप । तीसरी शताब्दी से पहली शताब्दी ई० प० ।

अरोक द्वारा मूल रूप से बनवाये गये ईंटों के स्तूप पर एक शताब्दी बाद पत्थर जड़वा दिये गये, तथा पहली शताब्दी ईसा पूर्व में इसके चारों ओर चार द्वार भी बनवा दिये गये ।

१९. धामेख स्तूप । सारनाथ, लगभग छठी शताब्दी ईस्वी ।

एक रम्भाकार स्तूप, स्तूप के निचले अर्धेभाग में आले बने हुए हैं, जिसमें बुद्ध की मूर्तियाँ रखने का ही विचार था । स्तूप के निचले भाग में अजन्ता की गुफाओं की छत की नकाशी जैसी खुदाई के ही नमूने हैं ।

२०. चैत्य भवन का मुख-भाग । उज्जीसर्वीं गुफा, अजन्ता, लगभग छठी शताब्दी, ईस्वी ।

इस भाग के शान्त-स्निध सौन्दर्य की इसके पूर्व के बने हुए मुख-भागों के साथ चित्रण से तुलना की जा सकती है ।



हम चित्र संख्या ३, ४, ७, ८, १२, १३, १४, १५, १८, २० के लिए भारत सरकार के पुरातत्व विभाग के; चित्र सं० ४ के लिए पेरिस स्थित गिमे संग्रहालय के; चित्र सं० ६ के लिए लन्दन स्थित ब्रिटिश संग्रहालय के; चित्र सं० ८ के लिए लाहौर के केन्द्रीय संग्रहालय के तथा चित्र सं० ११ के लिए लन्दन के विकटोरिया तथा अल्बर्ट संग्रहालय के आभारी हैं ।

NOTES

Frontispiece—The Buddha. Stone, Mathura, Gupta, 5th century A.D., National Museum, New Delhi

1. **The Dream of Maya.** Stone, Sunga, Bharhut, 2nd century B.C., Indian Museum, Calcutta

This depicts the descent of the Bodhisattva Sakyamuni as a white elephant into the womb of Maya.

2. **The Birth of Siddhartha.** Stone, Nalanda, 11th century A.D., Indian Museum, Calcutta

This illustrates the miraculous birth of the Bodhisattva from the right side of his mother, Maya, as she stands in the Lumbini grove, holding a branch of a sala tree. Soon after his birth the Bodhisattva stood erect on the ground and took seven steps, proclaiming his undisputed supremacy in the world.

3. **The Great Renunciation.** Limestone, Nagarjunakonda, 3rd century A.D.

Determined to escape from the illusory pleasures of life and find a way of deliverance, the Bodhisattva (Prince Siddhartha) leaves Kapilavastu. The gods express approval, and four devas hold aloft the hoofs of the horse to deaden their sound.

4. **The Cutting of the Hair.** Temple banner, Tibet (now in Musee Guimet, Paris), 17th century A.D.

As long locks do not befit a recluse, Prince Siddhartha cuts off his hair.

5. **Mara's Attack.** Cave 26, Ajanta, c. 7th century A.D.

The Bodhisattva is seated under the Bodhi tree and Mara, the Evil One, puts temptation in his way. The Bodhisattva, however, remains undaunted and unperturbed.

6. **The Enlightenment.** Limestone, Amaravati, 1st century B.C., British Museum, London

True to early Indian art traditions, the Enlightenment is represented symbolically here through the Bodhi tree.

7. **The Buddha preaching the First Sermon.** Stone, Sarnath, Gupta, 5th century A.D., Archaeological Museum, Sarnath

A masterpiece of Indian art, the image represents the Buddha delivering the first sermon at Sarnath. On the pedestal are carved the well-known Dharmacakra symbol and worshippers.

8. **The Conversion of the Kasyapas.** Stone, south pillar, east gateway, Stupa I, Sanchi, 1st century B.C.

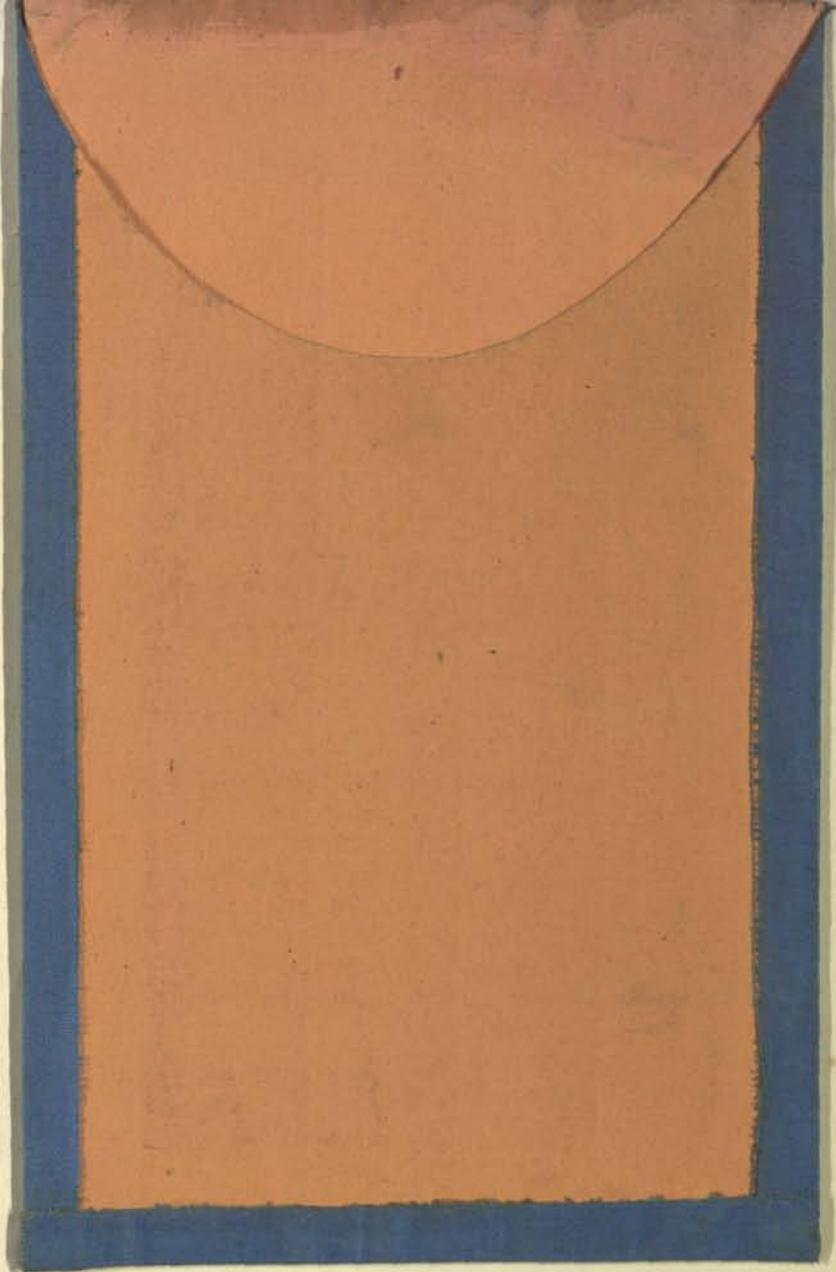
After delivering the first sermon and converting a number of people at Sarnath the Buddha came to Uruvela, where he performed a series of miracles, including walking upon the waters of the river Niranjana in flood, as shown here, which led to the conversion of the Kasyapas.

9. **The Great Miracle of Sravasti.** Schist, Gandhara, 2nd-3rd century A.D., Central Museum, Lahore

The Buddha performed miracles at Sravasti to establish his superiority over the six heretical teachers who were proud of their magic powers. The sculpture shows the Buddha repeating himself in many images reaching to heaven, thereby confounding the heretics.

10. **Mahaparinirvana.** Stone, Bengal, c. 10th century A.D., Ashutosh Museum, Calcutta
This represents the passing of the Buddha at Kusinagara.
11. **Head of the Buddha.** Lime composition, Gandhara, 4th-5th century A.D., Victoria and Albert Museum, London
The wavy hair and prominent Usnisa should be noted.
12. **Buddha figures in stucco.** The central one is seated in meditation. Jaulian monastery, Taksasila, c. 5th century A.D.
13. **The Buddha.** Stone, Mathura, Gupta, 5th century A.D., National Museum, New Delhi
The image is unique for its fulness and dignity of form. Behind the head is a large ornamented halo typical of Gupta art.
14. **The Buddha in Varadamudra.** Cave 19, Ajanta, c. 6th century A.D.
The Buddha is shown here bestowing boons. The sublimity of his bearing is characteristic of the Gupta images.
15. **The Buddha in Abhayamudra.** Bronze, Nalanda, 9th century A.D., National Museum, New Delhi
Based on Gupta art traditions, the image has singular charm and delicacy of form.
16. **The Buddha in Bhumisparsamudra.** Stone, Bengal, c. 10th century A.D., Ashutosh Museum, Calcutta
A typical example of the Pala School of Art, the image shows exquisite chiselling.
17. **Bodhisattva Padmapani.** Wall painting, Cave 1, Ajanta, c. 7th century A.D.
A unique specimen, the figure is distinguished by its spiritual tranquillity and dignity.
18. **Main Stupa at Sanchi,** 3rd century B.C.-1st century B.C.
The original brick stupa constructed by Asoka was encased in stone about a century later and the four gateways were added during the 1st century B.C.
19. **Dhamekh Stupa.** Sarnath, c. 6th century A.D.
A stupa of the cylindrical type, the structure has, half-way up the base, niches originally intended for images of the Buddha. There are, at the base, exquisite patterns in carving similar to the painted ceilings of Ajanta.
20. **Facade of the Caitya Hall.** Cave 19, Ajanta, c. 6th century A.D.
The mellow gracefulness of the structure may be compared with the ascetic look of the earlier facades.

Our grateful acknowledgements are due to the Department of Archaeology, Government of India, for the photographs of items Nos. 3, 5, 7, 8, 12, 13, 14, 15, 18 and 20; to the Musee Guimet, Paris, for the photograph of item No. 4; to the British Museum, London, for the photograph of item No. 6; to the Central Museum, Lahore, for the photograph of item No. 9 and to the Victoria and Albert Museum, London, for the photograph of item No. 11.



NOVA TOTIVS TERRARVM ORBIS GEOGRAPHICA AC HYDROGRAPHICA TABVLA. Auct: Henr: Hondio.





THE PUBLICATIONS DIVISION
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India